सान्ध्य हिन्दी दैनिक
जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष – 02 | अंक – 271 | जौनपुर, शुक्रवार, 28 जून 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

जलमंत्री आतिशी को एलएनजेपी अस्पताल से छुट्टी मिली

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की मंत्री आतिशी को बृहस्पतिवार सुबह एलएनजेपी अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। आतिशी दिल्ली में जल संकट के खिलाफ अनशन पर थीं और तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि आतिशी को सुबह साढे दस बजे अस्पताल से छुट्टी दी गई। आम आदमी पार्टी की नेता एवं दिल्ली की जल मंत्री आतिशी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शासित हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी दिए जाने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन अनशन पर बैठी थीं। अनशन कर रही आतिशी की तबीयत पांचवें दिन बिगड़ने लगी थी और उनके ब्लड शुगर का स्तर गिरने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उन्हें शुरुआत में अस्पताल की गहन चिकित्सा इकाई में भर्ती कराया गया था लेकिन बाद में हालत में सुधार होने पर उन्हें सामान्य वार्ड में स्थानांतरित कर दिया गया था। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव और मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी की नेता वृंदा करात ने बुधवार को अस्पताल में आतिशी से मुलाकात की थी।

तीन पीसीएस अधिकारियों के हुए तबादले

लखनऊ, संवाददाता। चुनाव के बाद यूपी में आईएएस, आईपीएस और पीसीएस अधिकारियों के तबादले का दौर जारी है। गुरुवार को प्रदेश सरकार ने तीन वरिष्ठ पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया है। चुनाव के दौरान सपा की शिकायत पर फिरोजाबाद से हटाए गए अपर जिलाधिकारी (एडीएम) अभिषेक कुमार सिंह को बुलंदशहर में अपर जिलाधिकारी, वित्त एवं राजस्व बनाया गया है। विवेक कुमार मिश्रा को बुलंदशहर से गाजियाबाद एडीएम (एलए) के पद पर भेजा गया है। गाजियाबाद के एडीएम (एलए) शैलेंद्र भाटिया को यमुना अथॉरिटी में ओएसडी की जिम्मेदारी मिली है।

मंगलवार को एक साथ आठ आईपीएस अधिकारियों के तबादले हुए। इसमें ज्यादातर तबादले पुलिस अधीक्षकों और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षकों के तबादले हैं। शासन के निर्देश पर डीजीपी मुख्यालय ने मंगलवार को आठ आईपीएस अफसरों का तबादला कर दिया, जिनमें सात जिलों के पुलिस कप्तान शामिल हैं। बरेली में प्लॉट पर कब्जे को लेकर खुलेआम फायरिंग की घटना के बाद एसएसपी घुले सुशील चंद्रभान को हटा दिया गया है। उन्हें एसटीएफ का एसएसपी बनाया गया है। इसके अलावा सहारनपुर के एसएसपी विपिन टांडा को मेरठ का नया एसएसपी बनाया गया है। इसी तरह मुरादाबाद के एसएसपी हेमराज मीना को आजमगढ़ का एसपी बनाया गया है।

विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं, जनता की लड़ाई लड़ने की जिम्मेदारी है – राहुल

नई दिल्ली, एजेंसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष का नेता सिर्फ एक पद नहीं है, यह जनता की आवाज बनकर जनता के हितों और अधिकारों की लड़ाई लड़ने की बहुत बड़ी जिम्मेदारी है। राहुल गांधी ने कहा, हमारा संविधान गरीबों, वंचितों, अल्पसंख्यकों, किसानों, मजदूरों का सबसे बड़ा हथियार है। हम उस पर किए गए हर हमले का पूरी ताकत से जवाब देकर उसकी रक्षा करेंगे। मैं आपका हूं और आपके लिए ही हूं। देश की जनता, कांग्रेस के कार्यकर्ताओं और इंडिया गठबंधन के सहयोगियों का मुझ पर भरोसा जताने के लिए दिल से धन्यवाद। वहीं, कांग्रेस आलाकमान ने दिल्ली में हरियाणा के नेताओं के साथ आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की। इस दौरान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि हरियाणा के किसानों और नौजवानों को भाजपा ने धोखा दिया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने कांग्रेस पार्टी के सभी नवनिर्वाचित सांसदों व हर एक कांग्रेस कार्यकर्ता को हरियाणा में मिली जीत की बधाई दी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि आने वाले हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को राज्य की सभी छत्तीस बिरादरी के लोगों का विश्वास हासिल करना है। कांग्रेस अध्यक्ष ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के 10 वर्षों के शासन ने हरियाणा के विकास को रोक दिया है। हरियाणा में हुई सैकड़ों भर्ती परीक्षाओं में धांधली हुई है। किसानों पर घोर अत्याचार हुए हैं और लाठियां बरसाई गई हैं। महिलाओं पर अत्याचार हुए हैं, अपराधों में तेजी आई है। हरियाणा में कुशासन है। इसी के चलते हरियाणा विकास के रास्ते से भटक गया है। हरियाणा में कोई नया इंफ्रास्ट्रक्चर नहीं बना। पावर सेक्टर में एक यूनिट बिजली भी नहीं जोड़ी गई। पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल का नाम लिए बिना कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अब 9 साल के विफल मुख्यमंत्री को मोदी जी ने देश का ऊर्जा मंत्री बना दिया है।

एमएसएमई उद्योग आज प्रदेश के विकास की रीढ़ बन चुका - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने के लिए ये बेहद जरूरी है कि एमएसएमई मजबूत स्थिति में हो। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश पर प्रकृति का आर्शीवाद है। यहां अलग–अलग जिलों में अलग–अलग तरह के हस्तशिल्प उत्पाद बन रहे हैं। लेकिन कई बार यह सहयोग की कमी की वजह से अच्छी तरह से ग्रो नहीं कर पाते। सीएम अंतरराष्ट्रीय एमएसएमई डे के मौके पर एमएसएमई से जुड़े लोगों को संबोधित कर रहे थे। लखनऊ में आयोजित इस कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि एमएसएमई पॉलिसी के तहत छोटे उद्योग लगाने वाले लोगों को एक

हजार दिन तक कोई विभाग परेशान नहीं करेगा, ताकि वह अपना व्यवसाय विकसित कर सकें। इसी तरह तमाम अन्य सहायता भी इसी पॉलिसी में दी जा रही। अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश में एमएसएमई की 90 लाख से अधिक इकाइयों के योगदान की वजह से देश में प्रदेश की अर्थव्यवस्था छठे स्थान से दूसरे स्थान पर आ गई है। रोजगार देने के मामले में यूपी पहले पायदान पर है। इस अवसर पर उन्होंने एमएसएमई इकाइयों को बैंकों द्वारा 20 हजार करोड़ के ऋण वितरण का शुभारंभ किया। साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण तथा टूलकिट दिए। आरएएमपी (रेजिंग एंड एक्सेलेरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) योजना का भी शुभारंभ किया। इस दौरान एमएसएमई मंत्री राकेश सचान ने कहा कि उद्यमियों को जमीन का संकट दूर करने के लिए ग्राम समाज की बेकार जमीन का ब्यौरा जुटाया जा रहा है।

केनरा बैंक क्षेतीय कार्यालय लखनऊ प्रथम ने विशेष ग्राहक सेवा संगोष्ठी आयोजित की

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। लखनऊ मंडल कार्यालय में विशेष ग्राहक सेवा बैठक आयोजित की गई। मंडल कार्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ–1 की विशेष ग्राहक सेवा बैठक 27 जून, 2024 को अपराह्न 4:30 बजे मंडल कार्यालय लखनऊ के कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित की गई। मंडल कार्यालय लखनऊ के उप महाप्रबंधक संजय कुमार, सहायक महाप्रबंधक मनीष कुमार, सहायक महाप्रबंधक राजीव सिन्हा, सहायक महाप्रबंधक राज कुमार सिंह, क्षेत्रीय कार्यालय लखनऊ–1 के उप महाप्रबंधक संजय कुमार त्रिवेदी की उपस्थिति में लखनऊ मंडल कार्यालय एवं लखनऊ क्षेत्रीय कार्यालय–1 के ग्राहकों के साथ ग्राहक बैठक पूरे उत्साह के साथ आयोजित की गई। मंडल कार्यालय लखनऊ के सहायक महाप्रबंधक मनीष कुमार ने समिति के सदस्यों एवं ग्राहकों का स्वागत किया तथा अच्छी ग्राहक सेवा के महत्व पर संक्षिप्त परिचय देकर कार्यवाही की शुरुआत की तथा उप महाप्रबंधक श्री संजय कुमार से अनुरोध किया कि वे उपस्थित लोगों को संबोधित करें तथा हमारे ग्राहकों को हमारे बैंक के इतिहास का संक्षिप्त विवरण देकर कार्यक्रम की शुरुआत करें। श्री संजय कुमार, उप महाप्रबंधक ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए वित्तीय वर्ष 2024–2025 की मार्च तिमाही के परिणामों की जानकारी दी, जो सकारात्मक नोट के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने सभी ग्राहकों को उनके निरंतर समर्थन के लिए धन्यवाद दिया और साथ ही उनके जैसे और अधिक ग्राहकों को हमारे बैंक से जोड़ने का अनुरोध किया। डीजीएम सर ने क्षेत्रीय कार्यालय 1 के तहत काम करने वाले सभी कर्मचारियों की ओर से हमारे ग्राहकों को सर्वोत्तम सेवाएं देने का भी वादा किया। इसके बाद, ग्राहकों के लिए एक खुले सत्र में, संजय कुमार, उप महाप्रबंधक ने ग्राहकों से शाखाओं में हमारी ग्राहक सेवा में सुधार के लिए अपनी प्रतिक्रिया और सुझाव साझा करने का अनुरोध किया। कुछ ग्राहकों ने सुझाव दिया कि अलग–अलग अंतराल पर समेकित आधार पर खाते में यूपीआई क्रेडिट प्रविष्टि चुनने का विकल्प होना चाहिए। यूपीआई लेनदेन के लिए फोलियो शुल्क माफ किया जाना चाहिए। लगभग सभी ग्राहकों ने कुछ पक्ष और विपक्ष के साथ खुले सत्र का समापन किया। भाग लेने वाले ग्राहकों का विवरण और उनसे प्राप्त सुझाव संलग्न हैं। अंत में, खुले सत्र के बाद, हमारे आदरणीय डीजीएम सर और बैठक के अन्य सदस्यों द्वारा लंबे समय से ग्राहकों का अभिनंदन किया गया। सभी प्रतिभागियों को धन्यवाद का एक छोटा सा टोकन दिया गया। अंत में, संजय कुमार त्रिवेदी, सहायक महाप्रबंधक, क्षेत्रीय कार्यालय 1, लखनऊ ने हमारे ग्राहकों को धन्यवाद दिया और बेहतर ग्राहक सेवा की दिशा में उठाए जा रहे कदमों के बारे में जानकारी दी।

महाराष्ट्र में लाडली बहना और लाडला भाई योजना लागू की जाए, ठाकरे ने दिया सुझाव

मुबंई, एजेंसी। बशिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने गुरुवार को राज्य में लाडली बहना जैसी योजना लागू करने के महाराष्ट्र सरकार के फैसले का समर्थन किया और पुरुषों के लिए भी इसी तरह की नीति की मांग की। उद्धव ठाकरे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए कहा कि चूंकि सरकार विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शुरू करने की योजना बना रही है, जिनमें से एक मध्य प्रदेश की तरह लाडली बहना योजना है, मैं इसका स्वागत करता हूं और पूछता हूं कि इस योजना को लड़कों के लिए भी बढ़ाया जाए। भेदभाव क्यों? लड़कियों और लड़कों दोनों को इसका लाभ मिलना चाहिए। महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन शिवसेना (एकनाथ शिंदे), राकांपा (अजित पवार) और भाजपा शामिल हैं। इस साल के अंत में होने वाले विधानसभा चुनावों से पहले महिला मतदाताओं को लुभाने के लिए इस योजना को शुरू करने की योजना बना रहे हैं।

पिछले साल मध्य प्रदेश चुनाव में बीजेपी की सत्ता में वापसी के पीछे लाडली बहना योजना को माना जाता है। योजना के तहत महिलाओं को मासिक आधार पर 1,200 रुपये से 1,500 रुपये मिलने की उम्मीद है। उम्मीद है कि एकनाथ शिंदे शुक्रवार (28 जून) को पेश होने वाले राज्य बजट में इस योजना की घोषणा करेंगे। उद्धव ठाकरे ने राज्य विधानसभा चुनाव से पहले कृषि ऋण की पूर्ण माफी और इसे लागू करने की भी मांग की। ठाकरे ने कहा कि कृषि ऋण की पूर्ण माफी तुरंत होनी चाहिए और इसे राज्य चुनाव से पहले लागू किया जाना चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने एनईईटी विफलता और अयोध्या राम मंदिर में पानी रिसाव की रिपोर्टों का संदर्भ देते हुए केंद्र और राज्य सरकार को लीकेज सरकारें भी कहा। उन्होंने कहा कि (महाराष्ट्र विधानसभा का) मानसून सत्र आज से शुरू हो रहा है।

द्रौपदी मुर्मू का अभिभाषण जमीनी हकीकत में बहुत कम तथा हवा–हवाई ज्यादा – मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती ने गुरुवार को संसद के संयुक्त सत्र में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के संबोधन की आलोचना की। एक्स पर एक पोस्ट में, बसपा प्रमुख ने कहा कि आज राष्ट्रपति जी ने अपने अभिभाषण

में संसद के संयुक्त सत्र को सम्बोधित करते हुये जो केन्द्र सरकार की पिछले 10 वर्षों की उपलब्धियाँ गिनाई है तो वो जमीनी हकीकत में बहुत कम तथा हवा–हवाई ज्यादा है। उन्होंने आगे लिखा कि साथ ही केन्द्र सरकार देश में आयदिन बढ़ रही गरीबी, बेरोजगारी व मंहगाई तथा कमजोर वर्गों की समस्याओं को भी लेकर कतई गम्भीर नहीं है। इनके आगे के 5 वर्षों के रोडमैप में भी कोई खास दम नहीं है। बसपा प्रमुख ने कहा कि बेहतर होगा कि राष्ट्रपति जी के अभिभाषण के धन्यवाद प्रस्ताव पर सांसदो को केवल आरोप व प्रत्यारोप लगाने की वजाय बल्कि जनहित के जरूरी मामलो में सरकार का ध्यान जरूर आकर्षित कराना चाहिये। पिछले 10 साल के दौरान देश की उपलब्धियों और विकास का आधार गरीबों का सशक्तीकरण रहा है तथा उनकी सरकार ने पहली बार गरीबों को अहसास कराया कि वह उनकी सेवा में है। पहली बार संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार ने गरीबों के जीवन की गरिमा से लेकर उनके स्वास्थ्य तक को राष्ट्रीय महत्व का विषय बनाया है। सरकार पेपर लीक की हालिया घटनाओं की निष्पक्ष जांच कराने और दोषियों को सजा दिलाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

सीडीएस अनिल चौहान बोले- परमाणु हथियारों के पहले प्रयोग नहीं के सिद्धांत का भारत ने किया हमेशा पालन

नई दिल्ली, एजेसी। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने कहा कि भारत की परमाणु नीति हमेशा से ही विशिष्ट रही है, जिसकी विशेषता पहले इस्तेमाल न करने

और बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई के सिद्धांतों के पालन करने की रही है। सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज की एक सेमिनार में बोलते हुए जनरल चौहान ने पारंपरिक युद्ध का बदलता स्वरूप और विभिन्न वैश्विक क्षेत्रों में उभर रही भू–राजनीतिक अस्थिरता पर विस्तार से चर्चा की। परमाणु रणनीति समकालीन विकास और भविष्य की संभावनाएं शीर्षक से अपने संबोधन के दौरान जनरल चौहान ने इस बात पर जोर दिया कि परमाणु हथियारों से उत्पन्न खतरा मौजूदा भू–राजनीतिक माहौल में एक बड़ी चिंता के रूप में फिर से उभरा है। रक्षा मंत्रालय के एक बयान के अनुसार, उन्होंने दोहराया कि भारत का परमाणु कार्यक्रम पहले इस्तेमाल न करने की नीति के पालन और बड़े पैमाने पर जवाबी कार्रवाई के सिद्धांत के कारण विशिष्ट बना हुआ है। जनरल चौहान ने नए सैन्य सिद्धांत विकसित करने की महत्वपूर्ण जरूरतों पर बल दिया। उन्होंने प्रतिरोधक क्षमताओं को बनाए रखने और देश के परमाणु C4I2SR' बुनियादी ढांचे की सुरक्षा के महत्व पर भी प्रकाश डाला, जिसमें कमांड, नियंत्रण, संचार, कंप्यूटर, खुफिया, सूचना, निगरानी और टोही प्रणालियां शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 1998 में भारत के पांच परमाणु परीक्षणों के बाद देश ने अपना परमाणु सिद्धांत तैयार किया। 1999 में आधिकारिक रूप से जारी इस सिद्धांत ने भारत की श्पहले इस्तेमाल न करनेश की नीति के प्रति प्रतिबद्धता की घोषणा की। इस नीति में जोर दिया गया है कि भारत परमाणु हमला करने वाला पहला देश नहीं होगा, लेकिन उसके खिलाफ किसी भी परमाणु हमले के जवाब में बड़े पैमाने पर जवाबी हमला करने का अधिकार बरकरार रहेगा। जनरल चौहान की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय सैन्य शक्ति और परमाणु प्रतिरोध में महत्वपूर्ण बदलाव देख रहा है। उनके विचार मौजूदा चुनौतियों के अनुकूल होने के महत्व को रेखांकित करते हैं, साथ ही उन मूलभूत सिद्धांतों के प्रति अडिग रहना भी है, जो दशकों से भारत के परमाणु रुख को परिभाषित करते रहे हैं।

शहरी रोजगार गारंटी योजना का बजट जारी करे भाजपा सरकार – गहलोत

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राज्य की भारतीय जनता पार्टी नीत सरकार से शहरी रोजगार गारंटी योजना का बजट जारी करने की मांग की है। गहलोत ने कहा कि योजना का बजट रोकेने से लाखों जरूरतमंद परिवारों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। हमारी सरकार ने राजस्थान 'मिनिमम इनकम गारंटी' कानून बनाया जिसके तहत गांवों में मनरेगा तथा शहरों में इंदिरा गांधी शहरी रोजगार गारंटी योजना से 125 दिन का रोजगार तथा बुजुर्ग, दिव्यांग व एकल नारी को न्यूनतम 1,000 रुपये पेंशन सुनिश्चित की गई।

दलबदल कराने के लिए केसीआर को माफी मांगनी चाहिए - रेवंत रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा है कि भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव को मुख्यमंत्री रहते हुए विधायकों के दलबदल कराने के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केसीआर को दलबदल के बारे में बोलने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। रेवंत रेड्डी ने दावा किया कि केसीआर ने ही इसकी शुरुआत की और 61 विधायकों और एमएलसी को खरीदा। गुरुवार को दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि बीआरएस सुप्रीमो को तेलंगाना शहीद स्मारक आना चाहिए और दलबदल को बढ़ावा देने के लिए माफी मांगनी चाहिए। रेवंत रेड्डी बीआरएस द्वारा अपने पांच विधायकों

के कांग्रेस में शामिल होने को गलत करार देने पर पूछे गए सवाल का जवाब दे रहे थे। मुख्यमंत्री ने बीआरएस नेताओं के. टी. रामा राव और हरीश राव के बयानों को याद किया कि कांग्रेस सरकार 100 दिनों के भीतर गिर जाएगी। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं ने भी इसी तरह के बयान दिए हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि हाल के लोकसभा चुनावों में बीआरएस के एक भी सीट नहीं जीतने के बाद भी केसीआर की आंखें नहीं खुली हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस का वोट शेयर गिरकर 16 प्रतिशत रह गया है। उन्होंने दोहराया कि लोकसभा चुनाव में केसीआर ने कांग्रेस को हराने के लिए भाजपा की मदद की। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हाल तक अपने विधायकों को अपने करीब भी नहीं आने देने वाले केसीआर अब अपने फार्म हाउस के दरवाजे खोल दिए हैं। उन्होंने राज्य स्थापना दिवस समारोह में शामिल होने का निमंत्रण स्वीकार नहीं करने के लिए पूर्व मुख्यमंत्री की आलोचना की।

केजरीवाल झुकेंगे नहीं – मुख्यमंत्री भगवंत मान

पंजाब, एजेंसी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने बृहस्पतिवार को कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर चाहे जितने भी अत्याचार किए जाएं वह झुकेंगे नहीं। मान का यह बयान दिल्ली के मुख्यमंत्री को कथित शराब नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के एक दिन बाद आया है। पंजाब के मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में केजरीवाल की तस्वीर भी साझा की है। उन्होंने कहा, ये तस्वीर तानाशाही के खिलाफ संघर्ष की है। अरविंद केजरीवाल झुकेंगे नहीं जितना मर्जी अत्याचार आप करें। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की अदालत से जमानत के बाद भाजपा के इशारे पर सीबीआई की गिरफ्तारी सीबीआई का खुला दुरुपयोग है। केजरीवाल को बुधवार को गिरफ्तार किए जाने के बाद दिल्ली की एक अदालत ने जांच एजेंसी की ओर से दायर अर्जी पर दलीलें सुनने के बाद उन्हें तीन दिन की सीबीआई की हिरासत में भेज दिया गया। सुनवाई के दौरान आप नेता ने खुद के बेकसूर बताया था। आम आदमी पार्टी (आप) ने आरोप लगाया कि भाजपा (भारतीय जनता पार्टी) के इशारे पर केंद्रीय जांच एजेंसियां पार्टी के नेताओं के खिलाफ शत्रुता और राजनीतिक द्वेष की भावना से काम कर रही हैं।

संपादकीय

हाईकमान तक शिकायत

विधानसभा चुनाव के प्रत्या शीत नतीजे आने के बाद यहां प्रत्याशित नतीजे इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि जिस भी पार्टी में सरकार बनने के बाद जमीनी कार्यकर्ताओं को हासिये पर डाल दिया जाता है या संगठन को कमजोर कर सिर्फ सत्ता और सत्ता के ईद–गिर्द रहने वाले चंद सलाहकारों और चाटुकारों के पावर सेंटर आ जाता है वहां सरकार परिवर्तन अवश्य संभावी हो जाता है ऐसा पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के साथ हुआ और आश्चर्य की बात यह रही कि इस सरकार के मुखिया भूपेश बघेल को यह कुर्सी तब नसीब हुई जब उन्होंने सरकार बनने से पहले लगातार 5 साल प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए प्रदेश के सभी वरिष्ठ नेताओं के सहयोग से संगठन को काफी मजबूत दी और लगातार भाजपा सरकार को सड़क से सदन तक गिरने में कामयाबी पाई. पदयात्रा की अच्छे सलाहकारों और पत्रकारों की सलाह पर अमल किया. नसबंदी कांड, आंख फोड़वा कांड नान घोटाला जैसे मुद्दों पर लोकप्रियता भी हासिल की पर यही भूपेश बघेल जो प्रदेश अध्यक्ष रहते हुए संगठन की मजबूती के लिए सदा तत्पर रहते थे रोज दोपहर बाद कांग्रेस भवन में बैठकर अच्छे सलाहकार और पत्रकारों से सलाह कार्यक्रम करते थे सरकार के मुख्य बनते ही उनका एक नया रूप प्रदेश की जनता के सामने आया . उन्होंने संगठन को बिल्कुल दरकिनार कर दिया निगम मंडल की नियुक्ति में मनमानी की .कभी जनदर्शन नहीं लगाया . चाटुकार और गलत सलाहकारों से घिर गए . प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष को भी लगातार अपमानित किया . संगठन के पदाधिकारी का भी कोई काम नहीं किया . जिन पत्रकारों और अच्छे सलाहकारों और संगठन के मजबूत कार्यकर्ताओं की सलाह और मेहनत से वे इस कुर्सी तक पहुंचे वहां पहुंचते ही उन्होंने सबसे पहले इन सब के लिए मुख्यमंत्री निवास के दरवाजे बंद कर दिए . पूरी तरह सरकार मुट्ठी भर उनके गलत सलाहकार और 4–5 ब्यूरोकेट्स चलाने लगे . और नतीजा यह हुआ कि अकेले आदमी के घमंड अहंकार और गलत सलहकारों की वजह से 11 विधायकों वाली मजबूत सरकार औंधे मुंह जा गिरी . और प्रदेश बनने के बाद हुए 4 विधानसभा चुनाव में अपने सबसे कमजोर प्रदर्शन के साथ 35 विधायको वाली विपक्षी पार्टी बनकर रह गई. जिस प्रदेश में कांग्रेस ब्वदहतमे के 29 विधायक आदिवासी समाज के थे उसकी लगातार अपेक्षा होती रही. वरिष्ठ नेताओं की अवेलहना होती रही, कार्यकर्ताओं के निजी कार्य भी नहीं हुए. ढाई साल वाला मुद्दा भी गरमाया रहा. संगठन अध्यक्ष मोहन मरकाम की भी सरकार में कोई सुनवाई नहीं हो रही थी. कांग्रेस के राष्ट्रीय अधिवेशन में भी मुख्यमंत्री समर्थकों ने संगठन को दरकिनार किया . ऊपर से कुछ पत्रकारों को प्रताड़ित कर सरकार बदनाम होने लगी. अवैध वसूली और भ्रष्टाचार की लगातार शिकायत आने लगी और सरकार कोयला घोटाला, सट्टा घोटाला, परिवहन विभाग की वसूली , अवैध शराब घोटाला जैसे कई मामलों में बदनाम होती चली गई . ब्वदहतमे ।प्ब्ब रामगोपाल अग्रवाल, सौम्या चौरसिया, गिरीश देवांगन , सूर्यकान्त तिवारी विनोद वर्मा की भी गूंज पूरे प्रदेश में सुनाई देने लग गई. यही लोग तय करने लगे मुख्यमंत्री से कौन मिलेगा कौन नहीं मिलेगा मीडिया हाउस को निर्देश जाने लगे कि क्या छपेगा क्या नहीं. दमनकारी फैसले होने लगे और मजे की बात यह है कि ये सभी बातें प्रदेश का बच्चा–बच्चा जानता था कि कहां–कहां से कलेक्शन हो रहा है कौन कर रहा है और वह कलेक्शन कहां जा रहा है संगठन भी निराशा और हताशा में होने जा रहा था. क्योंकि तमाम बातों को हाईकमान तक पहुंचाने के बाद भी हाई कमान के कान में जूं नहीं रेंग रही थी. क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार ।प्ब्ब के लिए ।ज्ड का कार्य कर रही थी. और सरकार जाना उसी दिन तय हो गया जिस दिन सरकार का मुखिया बदलने की बजाए मोहन मरकाम को ठीक चुनाव से पहले बेवजह हटा दिया और टीएस सिंहदेव को उपमुख्यमंत्री बना दिया गया. उसमें सरगुजा और बस्तर भी नाराज हो गया. कार्यकर्ता पहले ही नाराज बैठा था और इन सब से मिलकर चुनाव में कांग्रेस को धूल चटा दी और कांग्रेस बस्तर, सरगुजा में पूरी तरह साफ हो गई. चुनाव परिणाम के बाद कार्यकर्ताओं की भड़ास निकालने लगी. और वे सब परिणामों की समीक्षा की मांग करने लगे फिर कोई सुनवाई नहीं हुई . फिर आ गए लोकसभा चुनाव और यह चुनाव कांग्रेस की युवराज के प्रतिष्ठा से चुनाव जुड़े थे.प्रदेश में 4 से 5 सीटों पर कांग्रेस अच्छी स्थिति में थी. बीींजजपेहंती दमू पर हाईकमान ने फिर गलती की और जिस भूपेश बघेल के कारण विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार हुई. लोकसभा चुनाव में टिकट वितरण फिर से उन्हें को दे दिया गया. और जिस तरह इनकी सरकार में दुर्ग जिले के चार मंत्री थे और सब चुनाव हार गए. उसी तरह लोकसभा में दुर्ग के 4 लोगों को टिकट मिला और चारों चुनाव हार गए . और परिणाम आशा अनुसार जो आने थे वही आए . वो तो चरणदास महंत ने अपने पुराने अनुभव से चुनाव लड़ा और पार्टी की इज्जत बचा पाए. वरना सभी 11 सीटों पर हार तय थी. अब चुकी है चुनाव राहुल गांधी से जुड़े थे तो पुनः समीक्षा की मांग उठने लगी. अब अंततः समीक्षा बैठक होने जा रही है. और समीक्षा करने आ रहे कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेता वीरप्पन मोइली और हरीश चौधरी सभी लोकसभा सीटों के परिणामों की समीक्षा होगी . 28 जून को रायपुर, महासमुंद की, रायपुर में 29 जून को बिलासपुर, रायगढ़ ,कोरबा, जांजगीर और सरगुजा लोकसभा की बिलासपुर में 30 जून के कांकेर, बस्तर लोकसभा के कांकेर में 1 जुलाई को दुर्ग , राजनांदगांव लोकसभा की समीक्षा,रायपुर के राजीव भवन में अब देखना ये होगा।

तीसरे स्तर को सशक्त बनाने की आवश्यकता

आदित्य

एक पंचायतों (73वां) और दूसरा नगर पालिकाओं (74वां) के लिए – द्वारा निर्धारित स्वशासन और स्थानीय

लोकतंत्र की संस्थाओं के निर्माण की बड़ी आवश्यकता पर जोर देना है, जिन्हें महत्वपूर्ण विकेंद्रीकरण सुधारों के हिस्से के रूप में शुरू किया गया था। मैं सरकार के तीसरे स्तर और 16वें वित्त आयोग के संदर्भ की शर्तों से संबंधित कुछ मुद्दे उठाना चाहता हूं। दो संशोधनों के साथ–साथ पंचायतों और नगर पालिकाओं के लिए जोड़े गए दो अलग–अलग खंडों, अनुच्छेद 280 (3) (बीबी) और 280 (3) (सी) को देखते हुए, वित्त आयोगों द्वारा दोनों को स्थानीय निकायों के नाम से मानने की प्रथा को खत्म करना वांछनीय है। दोनों की समस्याएं अलग–अलग हैं। एफसी–16 को उन्हें अलग–अलग विचार करना चाहिए। 30 साल बाद भी हम अपनी पंचायतों के राजकोषीय आकार और राजस्व या व्यय के मामले में भारतीय सार्वजनिक वित्त में उनके स्थान का पता नहीं लगा सकते हैं, जो कि की गई प्रगति का खराब प्रतिबिंब है। संघवाद के पश्चिमी सिद्धांतों के विपरीत, जो पंचायतों की संस्था को मान्यता नहीं देते, विकेंद्रीकरण सुधारों का अधिदेश ग्राम सभा, मतदाताओं की एक सभा, को विकास प्राथमिकताओं को निर्धारित करने के लिए दिया गया है। आर्थिक विकास और सामाजिक न्याय तथा स्थानीय लोकतंत्र स्वबंस कमउवबतंबल के असंख्य अन्य निर्माण खंडों की योजना बनाने के लिए पंचायतों का कार्य अद्वितीय और चुनौतीपूर्ण है। पूछने के लिए एक महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि पंचायतें श्स्वशासन की संस्थाओंश के रूप में कार्य क्यों नहीं करती हैं, बल्कि संघ और राज्य सरकारों के लिए एजेंट के रूप में काम करती हैं। पंचायती राज संस्थाएँ अभी भी संघीय राजकोषीय प्रणाली का अभिन्न अंग नहीं हैं। दो संशोधनों का मूल संदेश, कि संघीय वित्त आयोग और राज्य वित्त आयोग संघीय सार्वजनिक वित्त में व्यवस्थित रूप से जुड़े हुए हैं, अच्छी तरह से मान्यता प्राप्त नहीं है। राज्य वित्त आयोग उप–राज्य स्तर पर ऊध्र्वाधर और क्षैतिज असंतुलन को तर्कसंगत बनाने के लिए बनाए गए केंद्रीय वित्त आयोग का समकक्ष है। आदर्श रूप से, यदि केंद्रीय वित्त आयोग अंतर–राज्यीय इक्विटी का ध्यान रखता है (अब जबकि योजना आयोग को समाप्त कर दिया गया है, अंतर–सरकारी हस्तांतरण जिम्मेदारी का एक बड़ा हिस्सा सीधे उस पर पड़ता है) और राज्य वित्त आयोग अंतर–राज्य इक्विटी का ध्यान रखता है, तो भारत के पास क्षेत्रीय इक्विटी और बुनियादी सेवाएं प्रदान करने के लिए सबसे अच्छा संस्थागत तंत्र है। निश्चित रूप से, राज्य वित्त आयोगों के साथ मिलकर काम करने वाला केंद्रीय वित्त आयोग सहकारी संघवाद के सुनहरे नियम को बढ़ावा दे सकता है – कि किसी भी नागरिक को उनके आवासीय स्थान के विकल्प के कारण पीने के पानी से लेकर प्राथमिक शिक्षा तक की बुनियादी सेवाओं से वंचित नहीं किया जाना चाहिए। विकेंद्रीकरण सुधारों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतरता और परिवर्तन महत्वपूर्ण हैं। एफसी–11 और एफसी–12 ने सार्वजनिक वित्त के पुनर्गठन के स्पष्ट आदेशों के बावजूद, पुनर्गठन की अपनी योजना में स्थानीय सरकारों को शामिल करना महत्वपूर्ण नहीं पाया। पिछड़े हुए विकेंद्रीकरण सुधारों को आगे बढ़ाने और स्थानीय अनुदानों को विभाज्य पूल से जोड़ने तथा एक प्रदर्शन अनुदान प्रणाली शुरू करने के लिए एफसी–13 के प्रयासों को, जिसमें लेखा परीक्षा प्रणाली, लोकपाल स्थापित करने तथा संपत्ति कर संग्रह को सक्षम करने जैसी शर्तें शामिल थीं, बाद में जारी नहीं रखा गया। कुछ केंद्रीय वित्त आयोगों ने रिपोर्टों को ध्यान से पढ़े बिना तथा विशिष्ट सुझाव दिए बिना राज्य वित्त आयोग के निष्कर्षों को अधूरा तथा अधूरा बताकर खारिज कर दिया। फिर से, संघ तथा राज्य समन्वित तथा सुसंगत तरीके से विकेंद्रीकरण सुधारों को लागू करने में विफल रहे। अधिकांश राज्यों ने शक्ति तथा अधिकार नहीं छोड़े, तथा कार्यों, निधियों तथा पदाधिकारियों का एक साथ हस्तांतरण नहीं किया। केरल संभवतः एक अपवाद था – इसने स्तरों के बीच भूमिका स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए गतिविधि मानचित्रण में देश का नेतृत्व किया। केरल ने नीचे से ऊपर की ओर नियोजन के अनिवार्य कार्य को लागू करने का भी प्रयास किया, तथा यहां तक ध्घ्कि जिला योजना निर्माण का भी प्रयास किया (अनुच्छेद 243जेडडी)। केरल के जन योजना अभियान ने भागीदारी नियोजन की एक बहु–चरणीय प्रक्रिया शुरू की, जिसमें ग्राम सभा की बैठकों में लोगों की महसूस की गई जरूरतों की पहचान से लेकर जिला योजना समिति द्वारा अंतिम जांच और मंजूरी तक शामिल है। एक तरह से, इसने सुधारों की व्यवहार्यता को प्रदर्शित किया। केंद्र और राज्य, विकेंद्रीकरण प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, उन्होंने समानांतर संस्थाओं को बढ़ावा दिया है जो स्थानीय सरकारों और स्थानीय लोकतंत्र के विपरीत काम करती हैं। प्रत्येक संसद सदस्य के लिए स्थानीय क्षेत्र विकास परियोजना और विधायकों के लिए इसके समकक्ष परियोजना इसके उत्कृष्ट उदाहरण हैं। संघ और राज्यों ने कई एजेंसियां घ्बनाई हैं जो स्थानीय सरकारों द्वारा किए जाने वाले कार्यों को करती हैं। यह एक बड़ी सेवा होगी यदि एफसी–16 एक फंक्शन फंड मैट्रिक्स अध्ययन शुरू करता है और पिछले 30 वर्षों के दौरान संसाधनों के समानांतर प्रवाह का अनुमान लगाता है। इससे स्थानीय शासन को कमजोर करने वाली ताकतों की प्रकृति और परिमाण का पता चलेगा। अपने संदर्भ की शर्तों के अनुसार, एफसी–16 को पंचायतों और नगर पालिकाओं के संसाधनों के पूरक के लिए राज्य के समेकित कोष को मजबूत करने के लिए आवश्यक उपायों की सिफारिश करनी है। कुल मिलाकर, नगर पालिकाओं के पास मजबूत राजस्व आधार हैं।

जनता से जुड़ने का है सशक्त माध्यम

विनोद

जनदर्शन कार्यक्रम महज जनता से भेंट करने का माध्यम ही नहीं है, यह एक ऐसा विश्वास का सेतु है, जिसमें संवाद भी है और समस्याओं के समाधान के साथ प्रदेश का विकास भी समाहित है। अरसे बाद एक बार फिर मुख्यमंत्री निवास में जनदर्शन कार्यक्रम प्रारंभ होने जा रहा है। इस जनदर्शन कार्यक्रम का लोगों को बेसब्री से इंतजार भी था। वे अपने मुखिया से मिलकर अपना सुख–दुख साझा तो करते ही है, इसके साथ ही संवाद के माध्यम से प्रदेश के विकास की अवधारणा को लेकर अपना मंतव्य प्रकट करते हैं। आदिवासी मुख्यमंत्री होने के साथ ही सरलता, सहजता का पर्याय श्री विष्णुदेव साय अपने मुख्यमंत्री निवास में 27 जून से प्रातः 11 बजे जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से सीधे संवाद स्थापित करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा जनदर्शन कार्यक्रम के माध्यम से जनता से सीधे जुड़ने का प्रयास उनके धरातल से जुड़े रहने का अहसास कराता है। साधारण से ग्रामीण परिवार वाले पृष्ठभूमि से आए मुख्यमंत्री श्री साय गरीबों के साथ जरूरतमंदों के लिए अब आसानी से उपलब्ध होंगे। मुख्यमंत्री जैसे पद पर जहां निरन्तर व्यस्तताएं होती है और सभी लोगों तक पहुंच पाना और उनकी समस्याओं को, उनकी बातों को सुन और समझ पाना चुनौती है, ऐसे में जनदर्शन कार्यक्रम का आयोजन करके प्रदेश भर की जरूरतमंद जनता से मुलाकात करने का निर्णय साहसिक और सराहनीय भी है। वैसे तो प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय राजधानी स्थित अपने निवास में और जिलों के कार्यक्रमों में आम जनता से निरन्तर मुलाकात करते रहते हैं और उनकी समस्याएं भी सुनते रहते हैं। उन्होंने अपने गृहग्राम बगिया में आम जनता की समस्याओं को सुनने और निराकृत करने अलग से कैम्प भी बनवाया है। वे जब अपने गृहग्राम जाते हैं तो भी बड़ी सहजता से आमजनों से मुलाकात कर समस्या का निराकरण करते नजर आते हैं। वे जब नहीं होते हैं तो उनके मार्गदर्शन में उनकी पत्नी द्वारा भी आमजनों से मुलाकात की जाती है। जरूरतमंदों को मार्गदर्शन किया जाता हैं। गृहग्राम बगिया में जनदर्शन के माध्यम से मुख्यमंत्री ने अनेक लोगों की समस्याओं का निराकरण किया है। एम्बुलेंस भेजकर गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीज को अस्पताल में भर्ती कराकर उपचार भी कराए हैं। ऐसे ही जशपुर जिले की निवासी सुकांति बाई चौहान है, जिनका पैर खाना बनाते समय आग में झुलस गया था। वह चलने में असहाय थी। जनदर्शन के माध्यम से जब मुख्यमंत्री के संज्ञान में यह बात आई तो उन्होंने रायपुर में सुकांति बाई का उपचार करवाया। उपचार के बाद स्वस्थ हुई सुकांति बाई जब अपने पैरों में खड़ी हो गई तो मुख्यमंत्री श्री साय ने उनसे फोन पर बात कर हालचाल भी जाना। आर्थिक तंगी झेल रही सुकांति बाई के लिए मुख्यमंत्री के गृहग्राम बगिया का जनदर्शन कितना लाभदायक साबित हुआ यह तो वह ही जानती है। लेकिन असहाय और जरूरतमंद महिला के प्रति मुख्यमंत्री ने जो किया, यह उनकी संवेदनशीलता को दर्शाता है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय न सिर्फ गृहग्राम बगिया में लोगों की समस्याएं सुनते हैं, वे राजधानी रायपुर निवास में और विभिन्न कार्यक्रमों में भी आमजनों के आवेदन प्राप्त कर उसके निराकरण की दिशा में कार्यवाही करते हैं। मुख्यमंत्री निवास में प्रतिदिन सैकड़ों लोग उनसे मिलने आते हैं। वे बहुत ही सहृदयता से उनकी बातें सुनते, समझते हैं। अब जबकि उन्होंने सप्ताह में गुरूवार के दिन अपने निवास में जनदर्शन कार्यक्रम प्रारंभ करने का निर्णय लिया है, ऐसे में प्रदेश भर की जनता से उनका सीधा संवाद होगा। सरगुजा से लेकर बस्तर तक के आमजनों की समस्याएं –शिकायतें मुख्यमंत्री द्वारा आसानी से सुनी जाएगी और जाहिर है कि प्रदेश के मुखिया तक बात पहुंचने से उनकी समस्याओं के समाधान में गतिशीलता नजर आयेगी। आम जनता की मुख्यमंत्री तक पहुंच, एक ओर शासन–प्रशासन में सुशासन के वातावरण को और प्रकाशमान करेगा, वहीं जनमानस का विश्वास सरकार के प्रति मजबूत होकर निखारेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय द्वारा सप्ताह में गुरूवार के दिन जनदर्शन कार्यक्रम करने का यह निर्णय आम जनता के प्रति उनकी निकटता, उनके समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता और जनता के प्रति एक जिम्मेदार मुख्यमंत्री होने का फर्ज निभाने जैसा है और निःसंदेह इस कार्यक्रम से समस्याओं के समाधान और जनता से संवाद आसान होगा।

संसद या विधानसभा में सदस्यों को प्रतिशोधात्मक रवैया त्यागना

संजय

लोकसभा में विपक्ष की एक तिहाई से अधिक सीटें भरी हुई देखना सुखद है। भारत के स्वस्थ लोकतंत्र प्दकपंेीमंसजील कमउवबतंबल के लिए संसद या विधानसभा में मजबूत विपक्ष का होना हमेशा फायदेमंद होता है, बशर्ते कि वे देश या राज्य के विकास में बराबर के भागीदार की तरह व्यवहार करें, न कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की तरह, जो मौजूदा सरकार को गिराने पर तुले हुए हैं। लेकिन हाल ही में हम देख रहे हैं कि विपक्ष का व्यवहार, चाहे उन्होंने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया हो या फिर वे बुरी तरह से हार गए हों, उनके रवैये में कोई बदलाव नहीं आया है। वे संसद या विधानसभा में इस भावना के साथ प्रवेश करते हैं कि सत्ता में जो पार्टी है, वह बेकार है और गिर जाएगी। चाहे वह कोई संगठन हो या विधानमंडल, लोकतंत्र के मंदिर में प्रवेश करने वाले किसी भी व्यक्ति के मन में नकारात्मक विचार नहीं होने चाहिए, लेकिन दुर्भाग्य से स्थिति ऐसी नहीं है। वे सत्ताधारी पार्टी त्नसपदह च्तजल को कोसते हुए और सरकार पर दुश्मनों जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाते हुए नकारात्मक विचारों के अलावा कुछ नहीं लेकर प्रवेश करते हैं। ऐसा लगता है कि किसी को भी अपनी जिम्मेदारी की चिंता नहीं है, जो आम आदमी के साथ खड़े होकर संसद और विधानमंडलों में लोगों के मुद्दों को उठाना और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार सुनिश्चित करना है। 18वीं लोकसभा के पहले दो दिनों में राहुल गांधी के नेतृत्व वाले इंडिया ब्लॉक ने संसद के अंदर जिस तरह का व्यवहार किया, वह निराशाजनक था। इस बार सक्रिय और जिम्मेदार विपक्ष की सारी उम्मीदें ध्वस्त हो गईं। विपक्ष को बजट सत्र शुरू होने तक लोकसभा में अपने अति उत्साह को बनाए रखना चाहिए था। प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण के समय राहुल गांधी और ब्लॉक इंडिया के सदस्यों द्वारा संविधान की प्रतियां लहराना अशोभनीय है। जिस तरह से वे चिल्ला रहे थे और व्यवहार कर रहे थे, वह बचकाना हरकत लग रही थी। आइए आंध्र प्रदेश का मामला लें। वाईएसआरसीपी ने केवल 11 विधानसभा सीटें जीतीं। वे भी विधायकों के शपथ ग्रहण के दिन सदन में उपस्थित होने की शालीनता नहीं रखते थे। वे भूल जाते हैं कि एक साधारण अनुरोध के आधार पर नई सरकार ने जगन के वाहन को मुख्य विधानसभा के प्रवेश द्वार तक आने की अनुमति दी, जबकि उन्हें विपक्ष के नेता का दर्जा प्राप्त नहीं है। विधानसभा की बैठक के दौरान जगन सदन में उपस्थित होने से कतराते रहे। वे अपने नाम की घोषणा के समय सदन में आए और शपथ

ग्रहण के तुरंत बाद चले गए। यह विधानसभा के अपमान से कहीं अधिक उनके और उनकी पार्टी के लिए वोट करने वाले लोगों का अपमान है। दूसरे दिन जब स्पीकर का चुनाव हुआ, तो न तो जगन और न ही उनकी पार्टी का कोई सदस्य मौजूद था। वे स्पीकर पर जगन विरोधी होने का आरोप लगा रहे हैं।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण इतिहास रचने के लिए पूरी तरह तैयार

ललित

कुछ लोग कह सकते हैं कि उन्होंने वित्त मंत्री बनने वाली पहली महिला बनकर इतिहास रच दिया है, अगर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को छोड़ दिया जाए, जिन्होंने 1969 में वित्त मंत्रालय संभाला था। अगर सब कुछ ठीक रहा, तो वह 2025 के अंत तक छह साल और 125 दिनों से ज्यादा समय तक सेवा करने वाली पहली वित्त मंत्री बन जाएँगी, और दो अलग–अलग कार्यकालों (2004 से 2008 और 2012 से 2014) में पलानीप्पन चिदंबरम के रिकॉर्ड को तोड़ देंगी। लगातार सेवा के लिए, आदरणीय सी.डी. देशमुख (1950 से 1956) के नाम छह साल और 53 दिन का रिकॉर्ड है, जिसकी बराबरी सुश्री सीतारमण और भी पहले कर लेंगी। आम धारणा के विपरीत – मुख्य रूप से बहस के मुद्दे पर अपनी शरारती मुस्कान के कारण – सुश्री सीतारमण 2019 में 60 वर्ष की आयु में सबसे कम उम्र की वित्त मंत्री नहीं थीं। यह सम्मान 1987 में राजीव गांधी (प्रधानमंत्री होने के साथ–साथ) को प्राप्त है, जब वे 43 वर्ष के थे। दूसरे सबसे कम उम्र के वित्त मंत्री 1982 में 47 वर्ष की आयु में प्रणब मुखर्जी थे, उसके बाद 1996 में 51 वर्ष की आयु में पी. चिदंबरम थे। हर वित्त मंत्री एक ऐसी विरासत की चाहत रखता है, जिसके लिए उसे याद किया जाए। इसके लिए पहले से ही काम करने या लंबे समय तक टिके रहने से परे ठोस कार्रवाई की आवश्यकता होती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सुश्री सीतारमण का पहला कार्यकाल मेहनती, प्रतिकूल परिणामों से मुक्त लेकिन प्रधानमंत्री के सिपाही (सैनिक) के रूप में पूरी तरह से सही था – भाजपा के राजीव चंद्रशेखर से माफी मांगते हुए, जो उस विशेषाधिकार का दावा करते हैं। अगर मैं निर्मला सीतारमण होती, तो मैं 2029 तक के अपने समय का इस्तेमाल विरासत बनाने में करती – 300–दिवसीय रोलिंग योजनाओं के क्रियान्वयन या उसके बाद अपेक्षाकृत सांसारिक परिणामों के इर्द–गिर्द होने वाले उच्च–शोर राजनीतिक प्रचार से परे, जो आम तौर पर ऐसे बजटीय प्रावधानों के साथ होते हैं। वित्त मंत्रालय तीन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में अकेले काम करता है। पहला, सरकार के राजकोषीय रुख को परिभाषित करना – राजकोषीय घाटा, ऋण स्तर और अर्थव्यवस्था में निजी और सार्वजनिक निवेश की हिस्सेदारी। दूसरा, संबंधित राजकोषीय और निवेश मीट्रिक को प्राप्त करने के लिए एक कार्य योजना विकसित करना। यदि सार्वजनिक संसाधनों के सापेक्ष निजी निवेश में वृद्धि होनी चाहिए, तो सहायक वित्तीय सेवाओं – बैंकिंग, वित्तीय संस्थान, शेयर बाजार और बीमा सेवाओं के लिए क्या दृष्टिकोण है? तीसरा, सरकार की कर नीति, जो यह निर्धारित करती है कि सरकारी हस्तक्षेपों के लिए कौन भुगतान करता है। ये तीनों ही अत्यधिक राजनीतिक निर्णय हैं। राजकोषीय घाटे और ऋण को मानदंडों के भीतर रखने के लिए सरकारी कर राजस्व को सरकारी व्यय की मात्रा के साथ संरेखित करने में वित्त मंत्री प्रमुख भूमिका निभाते हैं। वर्तमान में, सार्वजनिक ऋण मानक से 50 प्रतिशत अधिक है और राजकोषीय घाटा 25 प्रतिशत से अधिक है। उन्हें मानदंडों के भीतर रखने का मतलब है कि वित्तीय व्यय को दक्षता बढ़ाने, उत्पादक व्यय की ओर आकार देना, जबकि ऋण के आधार पर राजनीतिक दिखावे को नकारना। संक्षेप में, वित्त मंत्री को अपने कैबिनेट सहयोगियों की व्यय अपेक्षाओं के चारों ओर मापने योग्य लाल रेखाएँ खींचनी चाहिए। आलोचकों का कहना है कि इस तरह के बुनियादी फैसले प्रधानमंत्री के सलाहकारों के करीबी लोगों द्वारा लिए जाते हैं। साथ ही, एक वित्त मंत्री, जो पार्टी के इशारे पर संसद में है (राज्यसभा के लिए अप्रत्यक्ष चुनाव मार्ग के माध्यम से, सीधे लोकसभा के लिए चुने जाने के विपरीत) शीर्ष–नीचे राजनीतिक निर्देशों के साथ खेलने के अलावा और क्या कर सकता है? वित्त मंत्री पिछले वित्त मंत्रियों से प्रेरणा ले सकते हैं, जो अप्रत्यक्ष राज्यसभा मार्ग के माध्यम से संसद में भी थे। अरुण जेटली को 2014–15 में सकल घरेलू उत्पाद के 4.1 प्रतिशत के कम एफडी लक्ष्य के भीतर रहने की चुनौती को स्वीकार करने के लिए याद किया जाएगा, जो पिछले वित्तीय वर्ष में 4.5 प्रतिशत से कम था, जहां पी. चिदंबरम ने इसे छोड़ दिया था, और 2017–18 तक इसे और घटाकर 3.5 प्रतिशत करने के लिए। जीएसटी व्यवस्था को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाना – कांग्रेस सरकार से विरासत में मिला, हालांकि बहुत जरूरी, एक और उपलब्धि थी, लेकिन विमुद्रीकरण का विरोध करने में विफल होना – जो एक राजनीतिक दुस्साहस था – एक और उपलब्धि नहीं थी। डॉ. मनमोहन सिंह (पीएम के रूप में) ने 2006 में संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ असैन्य परमाणु समझौते को आगे बढ़ाने के लिए अपनी ही पार्टी और वामपंथी पार्टी के सहयोगियों के गुस्से का सामना किया, जिससे भारत के आज के करीबी गठबंधनों का मार्ग प्रशस्त हुआ। इसी तरह के अवसर सुश्री सीतारमण का इंतजार कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, एक दूरदर्शी कर नीति की आवश्यकता पर विचार करें। उनकी मेहनती निगरानी और स्पष्ट ईमानदारी – उन्होंने 2024 का लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा क्योंकि वे जीतने के लिए आवश्यक खर्च वहन नहीं कर सकती थीं – ने केंद्र सरकार की कर प्राप्तियों में एक स्मार्ट वृद्धि सुनिश्चित की है। 2019–20 में मौजूदा जीडीपी के 6.8 प्रतिशत से, ये 2023–24 में बढ़कर 9.6 प्रतिशत हो गए, जो 2019–20 से काफी अलग है जब वे 2014–15 में 7.6 प्रतिशत से कम हो गए थे। लेकिन अंतर्निहित कर संरचना विकृत, छिद्रपूर्ण और उथली बनी हुई है। कर सुधार के लिए खराब मूल्यांकन और संग्रह क्षमताओं के विकल्प के रूप में उच्च नाममात्र दरों को त्यागना आवश्यक है। कम कर दरें, छूट को छोड़कर, बहुत सारी छूट वाली उच्च नाममात्र दरों से बेहतर हैं, जिन्हें पसंदीदा करदाताओं को कर से बचने के लिए डिजाइन किया गया है, जबकि अन्य अपनी कमर तोड़ देते हैं। गौर करें कि, ष्चतुरष कर नियोजन के कारण, 0.6 मिलियन से कम परिवारों (सभी परिवारों का 0.2 प्रतिशत) ने 10 लाख रुपये से अधिक की कर योग्य वार्षिक आय घोषित की है। 2022–23 में 5 मिलियन रु. उच्च आयात कर दरें घरेलू उद्योग को ष्संरक्षितष करने के लिए आवश्यक प्रतीत होती हैं क्योंकि त्ठप् रुपये को कृत्रिम रूप से महंगा रखता है और घरेलू ब्याज दरों को उच्च रखता है, ताकि शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेश के बहिर्वाह को रोका जा सके।

आने वाली पीढ़ी कुछ इस तरह तैयार हो, जो हमारे देश में खुल रहे वृद्ध आश्रम है वह धीरे-धीरे बंद हो जाएं

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। हरदोई जनपद के पं बाबूराम त्रिवेदी सरस्वती शिशु मंदिर अल्लीपुर में विद्याभारती द्वारा आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण दिवस के अष्टम दिवस पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाविद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद पसाद एवं क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख राजकुमार उपस्थित रहे। जनपद के पं बाबूराम त्रिवेदी सरस्वती शिशु मंदिर अल्लीपुर में शुक्रवार को विद्याभारती द्वारा आयोजित नवीन आचार्य प्रशिक्षण वर्ग के अष्टम दिवस पर मुख्य अतिथियों का नवीन आचार्या वहनों के तिलक बंधन व वैच लगाकर स्वागत किया गया। उसके उपरांत मुख्य अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती जी की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्जवलन व पुष्पार्चन किया गया तथा वंदना का कार्यक्रम हुआ। मंच संचालन श्रावस्ती संभाग कैलाश वर्मा के द्वारा किया गया तथा आये हुए मुख्य अतिथियों का परिचय संभाग निरीक्षक लखनऊ श्याममनोहर शुक्ल के द्वारा किया गया। वंदना कार्यक्रम के पश्चात जिलाविद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद पसाद का स्वागत जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश के प्रदेश निरीक्षक मिथिलेश अवस्थी ने किया। कार्यक्रम के प्रथम सत्र पर जिलाविद्यालय निरीक्षक बालमुकुंद पसाद ने 21 वीं सदी के शिक्षक आदि पर विस्तार से चर्चा की तथा कहा 20वीं और 21वीं सदी में जो बदलाव व प्रगति हुई है उस पर विचार किया कि हम समय के साथ समय के बदलाव के चलते हम बेहतरीन शिक्षा दे सके आपका रोल ऐसा हो जो बच्चों को प्रेरित कर सके विद्यार्थी आपसे डरे नही। बच्चों के अंदर सवाल करने की प्रेरणा होनी चाहिए। तथा छम्च 2020 पर विस्तृत चर्चा की। द्वितीय सत्र क्षेत्रीय संस्कृति बोध परियोजना प्रमुख राजकुमार ने लिया इन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में अर्ली चाइल्ड केयर पर विशेष जोर दिया गया है राष्ट्रीय शिक्षा नीति चार भागों में विभाजित है। जिसमे 3 साल से 8 साल के बच्चे जिनका प्रवेश होने वाला है उन 3 साल के बच्चे का लालन पालन घर पर कैसे हो उस पर चर्चा हुई तथा 3 साल के बाद जब वह हमारे विद्यालय में आए तब उसका लालन–पालन कैसे हो इस पर चर्चा हुई तथा जो नवीन आचार्य प्रशिक्षण ले रहे है उनको लेकर कहा कि हम संपूर्ण समाज को परिवर्तित करना चाहते हैं इसलिए शुरूआत युवा दंपतियों को लेकर करना चाहते हैं आने वाली पीढ़ी कुछ इस तरह तैयार हो। जो हमारे देश में खुल रहे वृद्ध आश्रम है वह धीरे–धीरे बंद हो जाएं। सायंकाल शारीरिक का सत्र हुआ जिसमे मुख्य शिक्षक प्रांतीय शारीरिक प्रमुख के द्वारा ओम प्रकाश के द्वारा विधिवत शिक्षण कार्य हुआ। इस मौके पर मुख्य रूप से उपाध्यक्ष उच्च शिक्षा विद्या भारती शीर्षेन्दुशील त्रिवेदी विपिन, सीतापुर संभाग निरीक्षक रणवीर सिंह, साकेत संभाग मिथिलेश सिंह, प्रांतीय प्रशिक्षण प्रमुख देवेंद्र पाल सिंह व्यवस्था के आचार्य तथा नवीन आचार्य प्रशिक्षार्थी मौजूद रहे।

गांधी विनोबा का कार्य करने वाले साथियों के लिए प्रसन्नता की अनुभूति

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। राजभवन उत्तर प्रदेश लखनऊ में गीतांजलि बब्बर बहन रेड एरिया की बहनों लेकर वहां आतिथ्य भ्रमण किया। माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल का आशीर्वाद सभी बहनों को प्राप्त हुआ। गीतांजलि बहन अनेक उस प्रकार का जीवन जीने वाली बहनों का जीवन बदलाव में वर्षों से लगी हुई है। एक अलग संस्थान ही दिल्ली में जीवन परिवर्तन के लिए निर्माण किया है। गीतांजलि बहन जो यह पुनीत कार्य कर रही है। उसके कार्य के प्रशंसक आदरणीय जयेश भाई तो प्रारंभ से हैं लेकिन इस टीम को अयोध्या में कथा के दौरान श्रद्धेय मोरारी बापू भी विशेष आशीर्वाद प्रदान किए हैं। इसी प्रकार उत्तरप्रदेश की राज्यपाल दिल्ली में हरिजन सेवक संघ के परिसर में और विशेषकर उनके उस संस्थान में इन बहनों से जाकर मिलीं और उनके जीवन को निकट से देखा।और इन बहनों को राजभवन का आतिथ्य देकर उनका गौरव बढ़ाया है। बहुत बहुत आभार और कृतज्ञता विनोबा विचार प्रवाह की ओर से देने में हम सब को प्रसन्नता हो रही है।

डाक अधीक्षक, परमानन्द कुमार हुए सम्मानित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत सरकार के द्वारा नागरिको के विशिष्ट पहचान आधार कार्ड बनाने एवं संशोधन का कार्य डाक विभाग एवं बैंको के द्वारा किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2023–24 में जौनपुर जिले के 28 आधार केन्द्रों में डाक विभाग के द्वारा उत्तर प्रदेश परिमंडल में सबसे अधिक 93 हजार 126 आधार कार्ड बनाये अथवा संशोधन का कार्य किया गया है द्य जिसके लिए मा. चीफ पोस्टमास्टर जनरल उ. प्र. परिमंडल के द्वारा डाक अधीक्षक परमानन्द कुमार को सम्मानित किया गया द्यवही दूसरे स्थान पर फतेहगढ़ मण्डल एवं तीसरे स्थान पर गोंडा मण्डल के द्वारा आधार कार्ड बनाने एवं संशोधन का कार्य किया गया द्य जौनपुर मण्डल के 28 डाकघरों में आधार कार्ड बनाया एवं संशोधन किया जाता है द्य वित्तीय वर्ष 2023–24 में प्रधान डाकघर, जौनपुर में 11504, शाहगंज उपडाकघर में 10511 मीरगंज उपडाकघर में 8785, खुटहन उपडाकघर में 6669, रामपुर उपडाकघर में 6505, मुंगराबादशाहपुर उपडाकघर में 5348, बालवरगंज उपडाकघर में 4086, केराकत उपडाकघर में 3781, खेतासराय उपडाकघर में 3713, चंदवक उपडाकघर में 3095, बरसठी उपडाकघर में 2678, सराय मोहिउद्दीन उपडाकघर में 2678, महाराजगंज उपडाकघर में 2669, जलालपुर उपडाकघर में 2636, पट्टी नरेंद्रपुर उपडाकघर में 2589, मुफ्तीगंज उपडाकघर में 1788, जौनपुर कचहरी उपडाकघर में 1647, बदलापुर उपडाकघर में 1551, सराय हरखू उपडाकघर में 1504, जमालापुर उपडाकघर में 1414, मडियाहूँ उपडाकघर में 1399, पूर्वांचल विश्वविद्यालय उपडाकघर में 1373, मछलीशहर उपडाकघर में 1357, जफराबाद उपडाकघर में 1292, बाजार नेवरिया उपडाकघर में 1083, गौराबादशाहपुर उपडाकघर में 816, शास्त्री मार्ग उपडाकघर में 340, सी कम्पाउंड उपडाकघर में 3 आधार कार्ड बने अथवा संशोधन हुए है।

डाक अधीक्षक परमानन्द कुमार के द्वारा बताया गया कि जिले के 28 डाकघरो में आधार बनाया एवं संशोधन का कार्य किया जाता है द्य जिसमे नया आधार कार्ड फ्री में, बायोमेट्रिक संशोधन Rs-100/– तथा अन्य संशोधन Rs-50/- में किया जाता है।

अमृत भाई मोदी को अनेक जगह दी गई श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। हम सब अवगत ही है कि अभी दो दिन पूर्व साबरमती आश्रम के श्री अमृत भाई मोदी हम सबके बीच से भगवान को प्यारे हो गए। उनकी अतुलनीय सेवाओं को।देश भर के लोगों ने नमन किया गया। गांधी विनोबा विचार से जुड़ी तमाम संस्थाओं से संबद्ध विनोबा विचार प्रवाह के मार्गदर्शक श्री जयेश भाई ने उनके सभी कार्यों में भाग लिया। आज साबरमती संग्रहालय में श्रद्धेय अमृत भाई मोदी (दादा) जी की प्रार्थना श्रद्धांजलि सभा का आयोजन पूर्वान्ह 10 बजे से 11 बजे तक किया गया। जिसमें डा मफत भाई काका आदरणीय।सुदर्शन भाई आयंगर, कार्तिकेय भाई, हरिजन सेवक संघ के सचिव अजीत भाई जाधव, सफाई विद्यालय के श्री संदीप भाई , अमृत भाई मोदी जी के बेटे और बेटी , झनखना जोशी बहन आदि सभी ने अपने अपने भाव प्रस्तुत किए। नरेंद्र भाई शास्त्री ने मंगल मंदिर खोलो भजन गाया। आदरणीय भद्रा बहन, रमेश भाई बड़ौत ने ध तटसत श्री नारायण तू भजन गाया। राष्ट्रीय हरिजन सेवक संघ के।अध्यक्ष डा शंकर कुमार सान्याल की अध्यक्षता में सम्पूर्ण देश की।शाखाओं के अध्यक्ष मंत्री की उपस्थिति में उनको।श्रद्धांजलि दी गई। जिसमें श्री लक्ष्मी।दास, नरेश यादव, राजू भाई परमार , सुधीर भाई गोयल , उर्मिला बहन संजय राय लोक भारती के कुलपति डा राजेंद्र खिमानी , गुजरात विद्यापीठ के कुलपति डा हर्षद भाई पटेल, देवराज सिंह निशा त्यागी, डा एम पी सिंह डा अशोक शुक्ला, महाराष्ट्र से मोहन जोशी, कुसुम जोहरी, पी मारुति, डा आदित्य पटनायक , गोपाल नायर, रामकुमार मंडल राजेंद्र मालवीय दयाल।सिंह श्री भगवान शर्मा , प्रिया बहन और जयेश भाई पटेल ने भाग लिया। विनोबा विचार।प्रवाह परिवार से श्री सत्य रंजन धर्माधिकारी, डा सुगन बरंट, अमर नाथ भाई, जैसे वरिष्ठ जनों ने श्रद्धांजलि दी।

मण्डल रेल प्रबंधक ने किया प्रयाग जं स्टेशन का निरीक्षण

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। आगामी कुम्भ मेला को दृष्टिगत रखते हुए उत्तर रेलवे, लखनऊ मण्डल की परिधि में आने वाले प्रयाग जं. स्टेशन पर अनेक प्रकार के विकास कार्य प्रगति पर हैं ᑊ इस समस्त कार्यों का निरीक्षण करते हुए इनकी प्रगति की जानकारी प्राप्त करने के उद्देश्य से आज दिनांक 28 जून 2024 को मण्डल रेल प्रबंधक, श्री एस. एम. शर्मा का प्रयाग जं स्टेशन पर आगमन हुआ ᑊ अपने आज के इस निरीक्षण के तहत उन्होंने कुम्भ मेला आयोजन से पूर्व की जाने वाली तैयारियों एवं उचित यात्री प्रबंधन हेतु स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों की विधिवत जानकारी प्राप्त की तथा यात्री सुविधा सम्बन्धी स्थलों को परखा ᑊ मेला अवधि में स्टेशन पर असंख्य मात्रा में आने–जाने वाले यात्रियों के सुगम आवागमन एवं उनको उच्च स्तरीय सुविधाएं प्रदान किए जाने के उद्देश्य से किए जाने वाले इन सभी निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए उन्होंने इस संबंध में अपने सुझाव एवं निर्देश पारित किए। मण्डल रेल प्रबंधक ने इन सभी कार्यों को उच्च गुणवत्ता के साथ निर्धारित समयसीमा में सम्पन्न करने पर विशेष बल देते हुए संबंधित अधिकारियों को इस दिशा में अविराम गति से कार्य करने की बात कही।

तीन दिवसीय राष्ट्रीय टेनिस क्रिकेट प्रतियोगिता प्रारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। रुड़की के नेहरू स्टेडियम मैदान पर आज 28 जून 2024 से 30 जून 2024 तक तीन दिवसीय राष्ट्रीय टेनिस प्रतियोगिता उत्तराखंड टेनिस क्रिकेट फेडरेशन के सौजन्य से प्रारंभ हुई इसमें देश के प्रमुख रूप से उत्तर प्रदेश, दिल्ली, महाराष्ट्र, पांडिचेरी, तमिलनाडु, उत्तराखंड, दिल्ली, कर्नाटक, त्रिपुरा, विदर्भ, गुजरात तथा त्रिपुरा के बालक बालिकाओं अपने–अपने ग्रुप में भाग लेकर अपने राज्य का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता का उद्घाटन उत्तराखंड एससी आयोग के अध्यक्ष मुकेश कुमार तथा पूर्व विधायक देशराज कढ़वाल ने संयुक्त रूप से मिलकर किया इस अवसर उत्तराखंड टेनिस क्रिकेट संघ के अध्यक्ष कमल चावला तथा अमजद उस्मानी ने उनका हृदय से आभार प्रकट किया वहीं मुख्य अतिथि ने उपस्थित प्रतिभागी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाया। प्रतियोगिता के दौरान नरेश कुमार, असलम वारसी, अरविंद दास गुप्ता, राजकुमार, उस्मान सिद्दीकी, रविकांत तथा संगीता ने उपस्थित होकर अपना सहयोग दिया। पहले दिन मैच में महाराष्ट्र ने त्रिपुरा को 6 विकेट से हराया वही एक रोमांचक मैच में पांडिचेरी ने दिल्ली की टीम को तीन रन से हराया एक अन्य मैच में उत्तराखंड ने तमिलनाडु को 6 विकेट से हराया। अंपायर मुर्शीद वारसी एवं मोहम्मद फैज अपनी निष्पक्ष अंपायरिंग से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया।

लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति ने अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय में एन. ए. बी. एल. (नेशनल एक्रडिटेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड कैलिब्रेशन लैबोरेट्रीस) मान्यता प्राप्त एडवांस इलेक्ट्रानिकी डिजाइन लैब एवं कंप्यूटर एडेड डिजाइन ड्राफ्टिंग लैब का किया उद्घाघटन'

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के अन्तर्गत इलेक्ट्रॉनिकी एवं संचार इंजीनियरिंग विभाग एवं मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में आज दिनांक 28 जून 2024 को एन. ए. बी. एल. प्रत्यायित (मान्यता प्राप्त) आप्टिकल कम्युनिकेशन लैब एवं कम्प्यूटर एडेड डिजाइन एंड ड्राफ्टिंग लैब का उद्घघाटन लखनऊ विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो0 आलोक कुमार राय के कर–कमलो से हुआ। इन प्रयोगशालाओं से छात्र– छात्राएँ ऑप्टिकल कम्युनिकेशन एवं डिजाइन सिमुलेशन की विभिन्न आधुनिक तकनीकी को सीख सकेगें। कुलपति जी ने आशा व्यक्त की कि इससे न केवल लखनऊ विश्वविद्यालय बल्कि आस–पास के संस्थानो के छात्र भी लाभान्वित होंगे। संकायाध्यक्ष प्रो0 ए0 के0 सिंह ने संकाय में स्थापित की गई इन अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना पर प्रसन्नता प्रकट करते हुए बताया कि एडवांस इलेक्ट्रॉनिकी डिजाइन लैब में सर्किट सिमुलेशन के लिए विशिष्ट ओरकैड डिजाइन सॉफ्टवेयर, डिजिटल सर्किट सिमुलेशन के लिए विवडो सॉफ्टवेयर एवं एफ. पी. जी.ए. हार्डवेयर बोर्ड से छात्रों को इंडस्ट्री –4.0 में प्रयोग होने वाले तकनीकी को सीखाया जा सकेगा। एन. ए. बी. एल. मान्यता प्राप्त डिजिटल ऑस्कल्लोंस्कोप, आर्बिट्रेरी फंक्शन जेनरेटर, मल्टी आउटपुट पावर सप्लाई, बेंच टॉप मल्टीमीटर, एलसीआर मीटर इत्यादि से युक्त हैं। मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की कम्प्यूटर एडेड डिजाइन एंड ड्राफ्टिंग लैब में ड्रोन, कार, समुद्री जहाज, राकेट एवं दिन–प्रतिदिन उपयोग होने वाले उपकरणों को भविष्य के अनुरूप अत्याधुनिक करने हेतु डिजाइन एवं सिमुलेशन के साथ विश्लेषण की सुविधा लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रो को उपलब्ध हो गयी है।

जिसका उपयोग कर छात्र अपनी स्किल को इंडस्ट्री के अनुरूप कर सकेगें, जिससे विनिर्माण करने वाली बहुराष्ट्रीय कम्पनीओं में छात्रो को डिजाइन स्किल के आधार पर प्लेसमेंट सरलता पूर्वक मिल सकेगी। इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना, कुलसचिव डॉ. विनोद कुमार सिंह, कार्य अधीक्षक प्रो. डी. के. सिंह, निदेशक द्वितीय परिसर प्रो. आर. के. सिंह के साथ अभियांत्रिकी एवं तकनीकी संकाय के समस्त शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 1 जुलाई से 31 जुलाई तक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने अवगत कराया है कि जनपद में विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान 01 से 31 जुलाई 2024 तक एवं दस्तक अभियान 11 से 31 जुलाई 2024 तक चलाया जाना है।

अभियान के सफलतापूर्वक संचालन हेतु 29 जून 2024 को अपराह्न 12.00 बजे जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में द्वितीय अंतर विभागीय समन्वय समिति की बैठक का आयोजन किया गया है।

बीएसए द्वारा किया गया विद्यालयों का निरीक्षण, प्रथम दिवस पर बच्चों का किया स्वागत

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। बीएसए ने निरीक्षण अभियान के तहत परिषदीय विद्यालयों का औचक निरीक्षण कर शासन द्वारा विद्यालयों मे संचालित योजनाओं की जाँच की और प्रथम दिवस पर बच्चों को तिलक लगाकर स्वागत किया। गर्मी की छुट्टी के बाद 25 जून से ही विद्यालय खुला रहा जिसमें शिक्षकों द्वारा विद्यालय की साफ–सफाई कराई गई। बेसिक शिक्षा अधिकारी के आदेशानुसार निरीक्षण अभियान चलाकर एक साथ सभी परिषदीय स्कूलों का निरीक्षण किया गया। अभियान के तहत प्रथम दिवस पर सभी खंड शिक्षा अधिकारी, एसआरजी, एआरपी, डीसी डायट, मेंटर के द्वारा निरीक्षण किया गया। बेसिक स्कूलों में पहले दो दिन समर कैंप लगाए जाने का आदेश था जिसके क्रम में 28 और 29 जून को विद्यालय स्तर पर ही दो घंटे का कैंप लगाकर छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने व अन्य गतिविधियां कराई जानी थी। 28 जून को सभी विद्यालयों में बच्चों का फूल व चंदन से तिलक कर स्वागत किया गया। विद्यालय को गुब्बारों व रंगोली से सजा कर इस दिवस को उत्सव के रूप में मनाया गया। पहले दिन यहां उत्सव जैसा माहौल रहा। रोली–टीका लगाकर छात्र–छात्राओं को स्कूल में प्रवेश दिया गया। इसके साथ ही खीर और हलवा से मुंह मीठा कराया गया। विद्यालय परिसर को फूल पत्तियों और रंग–बिरंगे गुब्बारों से सजाया गया। इसके लिए बेसिक शिक्षा विभाग ने पूर्व से ही तैयारी कर ली थी। इन गतिविधियों के साथ ही साथ नामांकन बढ़ाने के लिए शिक्षकों द्वारा घर–घर जाकर अभिभावकों को बच्चों को स्कूल भेजने के लिए प्रेरित किया गया।

भामाशाह का जन्म दिवस व्यापारिक कल्याण दिवस के रूप में मनाया जाने का निर्णय

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भामाशाह के जन्मदिवस को शासन ने 'व्यापारी कल्याण दिवस' के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। जिसके क्रम में जनपद में 29 जून, 2024 को दानवीर भामाशाह के जन्मदिवस को व्यापारी कल्याण दिवस के रूप में भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। जिलाधिकारी श्री रविन्द्र कुमार माँदड़ के निर्देश के क्रम में मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम की अध्यक्षता में सम्बंधित अधिकारियों और व्यापार मंडल के पदाधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक की। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी सम्बंधित विभाग दिए गए निर्देशों का अक्षरशः पालन करते हुए भामाशाह के जन्मदिवस को भव्य रूप से मानये। उन्होंने निर्देश दिया कि शासन के निर्देश के क्रम में जनपद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले उद्यमियों को समारोह में सम्मानित किया जाए मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिया है कि व्यापारी कल्याण दिवस की सार्थकता के दृष्टिगत विभिन्न विभागों, उद्यमियों, व्यवसायियों द्वारा स्टाल लगाते हुए उत्पादों के प्रचार–प्रसार के कार्य किये जाये तथा प्रदर्शनियां भी लगायी जायें। इस अवसर पर मुख्य राजस्व अधिकारी गणेश प्रसाद, उपायुक्त जीएसटी राजेश कुमार कैथल, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय, व्यापार मंडल के पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

उचित दर विकता के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने का आदेश

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला पूर्ति अधिकारी ने बताया है कि क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक, सुजानगंज द्वारा 25 जून 2024 को तहसील–मछलीशहर के वि0ख0–सुजानगंज स्थित ग्राम–कुरावां के उचित दर विक्रेता रामजनक पुत्र रामशिरोमणि की दुकान का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान विक्रेता की उचित दर दुकान में कुल 29. 91 कुं0 चावल, 19.79 कुं0 गेहूँ एवं 0.09 कुं0 चीनी का स्टॉक कम पाया गया, जिसके सम्बन्ध में पूछताछ करने पर विक्रेता द्वारा कोई समुचित उत्तर नहीं दिया गया। उक्त आशय की आख्या जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत की गयी, जिस पर जिलाधिकारी द्वारा उक्त कोटेदार के विरूद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 3/7 के अंतर्गत अभियोग अभियोग पंजीकृत कराने का आदेश पारित किया गया। जिलाधिकारी के उक्त आदेश के अनुपालन में ग्राम–कुरावां के कोटेदार रामजनक के विरूद्ध 28 जून 2024 को थाना–सुजानगंज में प्रथम सूचना रिपोर्ट क्षेत्रीय पूर्ति निरीक्षक द्वारा दर्ज करा दी गयी है एवं उसके दुकान का अनुबन्ध–पत्र निलम्बित करते हुए विभागीय कार्यवाही प्रारम्भ कर दी गयी है।

52 करोड़ रुपये की कर चोरी में इस्पात कंपनी के निदेशक भेजे गए जेल

कानपुर, संवाददाता। 52 करोड़ रुपये की कर चोरी के मामले में फतेहपुर के मलवां स्थित राधे– राधे इस्पात प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक नवीन जैन को स्पेशल सीजेएम कुमुदलता त्रिपाठी ने नौ जुलाई तक के लिए न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। विशेष लोक अभियोजक अम्ब्रीष टंडन ने रिमांड पर सुनवाई के दौरान कोर्ट में तर्क रखा कि डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस लखनऊ की टीम ने नवीन जैन

को 52 करोड़ रुपये की जीएसटी चोरी के मामले में गिरफ्तार किया है। फर्म पर 344 करोड़ रुपये का माल बिना जीएसटी चुकाए बेचने का आरोप है। फतेहपुर में संचालित इस फर्म का कॉरपोरेट ऑफिस फजलगंज में है। मामले की विवेचना अभी जारी है। नवीन फर्म के निदेशक हैं, इसलिए इन्हें न्यायिक हिरासत में जेल भेजा जाए। वहीं नवीन की ओर से अधिवक्ता ने रिमांड के विरोध में तर्क रखा कि अपराध में पांच साल से कम की सजा का प्रावधान है। नवीन को फंसाने के लिए झूठे सबूत पेश किए गए हैं। दोनों पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने नवीन को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। इसके बाद नवीन के अधिवक्ता की ओर से एक प्रार्थना पत्र कोर्ट में देकर कहा गया कि नवीन हार्निया की बीमारी से ग्रसित हैं, इसलिए उन्हें जेल के बजाय इलाज के लिए अस्पताल भेजा जाए। इस पर कोर्ट ने जेल अधीक्षक को नियमानुसार कार्यवाही करने को कहा है।

तीन दिन पहले डीजीजीआई लखनऊ और कानपुर की टीम ने मारा था छापा

डायरेक्टर जनरल ऑफ जीएसटी इंटेलीजेंस लखनऊ और कानपुर की संयुक्त टीमों ने तीन दिन पहले राधे–राधे इस्पात के निदेशक के किदवईनगर स्थित आवास, फजलगंज स्थित कार्यालय, फतेहपुर और बुंदेलखंड में स्थित प्लांट में छापे मारे थे। प्लांट में सरिया का उत्पादन होता है।

डीएम की सख्ती - तीन दिन में हटवाएं गाड़ियों में लगे हूटर

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में हूटर को लेकर शासन की सख्ती के बीच जिलाधिकारी राकेश कुमार सिंह ने गाड़ियों में अवैध रूप से लगे हूटर को तीन दिन में हटवाने के निर्देश दिए हैं। बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के दौरान डीएम ने अभियान चलाकर हूटर हटाना सुनिश्चित करने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने शहर में अवैध विज्ञापन बोर्डों को भी अभियान चलाकर हटाने व लगाने वाली कंपनी पर जुर्माना लाने को कहा है। डीएम ने इस दौरान पिछली बैठक में लिये गये निर्णयों पर अब तक हुए कार्यों की समीक्षा एवं राज्य स्तरीय लीड एजेंसी (सड़क सुरक्षा प्रकोष्ठ) की रिपोर्ट की समीक्षा की। बैठक में भूगर्भ जल संरक्षण अधिकारी के अनुपस्थित रहने पर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला विद्यालय निरीक्षक एवं बेसिक शिक्षा अधिकारी को सभी विद्यालयों एवं इंटर कॉलेजों तथा आईसीएससी एवं सीबीएससी स्कूलों में सड़क सुरक्षा से संबंधित नियमों का पालन कराने के लिए 3 माह में जागरूकता कार्यक्रम चलाने के निर्देश दिए।

ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश

वहीं, रामादेवी से फतेहपुर के बीच हादसों वाले स्थानों पर सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, एनएचएआई एवं यातायात पुलिस को निरीक्षण कर ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर कार्रवाई करने को कहा। वहीं, आरटीओ एवं यातायात पुलिस को ओवरलोड वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही कहा कि इसमें किसी प्रकार की लापरवाही न की जाए। बैठक में एडीएम सिटी, के अलावा एनएचएआई, आरटीओ, लोक निर्माण विभाग व शिक्षा विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

रामादेवी से आईआईटी तक हटवाएं अतिक्रमण

जिलाधिकारी ने पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता को जीटी रोड पर रामादेवी से आईआईटी तक सड़क किनारे हुए सभी अवैध अतिक्रमण चिन्हित कर हटवाने के निर्देश दिए, ताकि सड़क पर जाम न लगे। सड़क सुरक्षा कमेटी के सदस्यों ने मार्गों पर रोड साइनेज, सेंट्रल लाइन, पेंटिग आदि कार्य कराने की मांग की।

संक्षिप्त खबरें

एसएन मेडिकल कालेज में एमबीबीएस की 72 सीट बढ़ीं

आगरा, संवाददाता। आगरा के एसएन मेडिकल कॉलेज के एमबीबीएस की 72 सीट बढ़ गई हैं। अब कुल 200 सीट हो गई हैं। एनएमसी ने सीट बढ़ाने के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी है। प्राचार्य डॉ. प्रशान्त गुप्ता ने बताया कि एसएन मेडिकल कालेज में अभी तक एमबीबीएस की 128 सीटों पर छात्रों को प्रवेश दिया जाता था। सीट बढ़ाये जाने के प्रस्ताव को राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी), नई दिल्ली द्वारा मंजूरी दे दी है। जिसके बाद एसएन मेडिकल कालेज में एमबीबीएस में 72 सीटों की वृद्धि कर दी गई है। अब एमबीबीएस की 200 सीटों पर प्रवेश होगा।

करंट लगने से किशोर की मौत

शामली, संवाददाता। बुच्चाखेड़ी गांव में करंट की चपेट में आने से किशोर विजय की मौत हो गई। हादसे से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। गांव बुच्चाखेड़ी निवासी नाथी के मकान पर गत दिनों लिंटर लगा था। बुधवार शाम करीब सात बजे नाथी का करीब 17 वर्षीय पुत्र विजय लिंटर पर सबमर्सिबल के पाइप से पानी चला रहा था। बताया जा रहा है कि तभी किशोर वहां विद्युत करंट की चपेट में आ गया, जिस कारण वह झुलस गया। हादसे से परिजनों में अफरा–तफरी मच गई। आनन–फानन में परिजन उसे चिकित्सक के यहां ले गए, जिसे मृत घोषित कर दिया गया।सूचना पाकर पुलिस टीम मौके पर पहुंची तथा हादसे के संबंध में जानकारी हासिल की। पुलिस का कहना है कि करंट लगने से किशोर की मौत हुई है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

सड़क हादसे में घायल युवक की मौत

बांदा, संवाददाता। नगर कोतवाली क्षेत्र के बांधा पुरवा में रिश्तेदारी में आए युवक को लोडर ने टक्कर मार दी थी। इलाज के दौरान मंगलवार की शाम उसकी मौत हो गई। चिल्ला थाना क्षेत्र के डिघवट गांव निवासी रावेंद्र यादव (43) के पास आठ बीघा खेत है। वह किसानी कर परिवार का भरण पोषण करते थे। नगर कोतवाली क्षेत्र के बांधा पुरवा में रिश्तेदारी में गए थे। वहां 21 जून की सुबह लोडर ने टक्कर मार दी। इससे गंभीर रूप से जख्मी हो गए। मेडिकल कॉलेज से कानपुर रेफर कर दिया। कानपुर के एक अस्पताल में परिजनों ने उसका उपचार कराया। आर्थिक तंगी आड़े आई तो रावेंद्र को परिजन बांदा ले आए और प्राइवेट अस्पताल में भर्ती कराया। मंगलवार की शाम सात बजे मौत हो गई। मृतक के बहनोई मुलायम सिंह यादव निवासी सहूरपुर थाना पैलानी ने बताया कि रावेंद्र को कानपुर के अस्पताल में 21 से 25 जून तक वेंटीलेटर सपोर्ट पर रखा गया। बताया कि चार लाख रुपये का कर्ज हो गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया है। मृतक की पत्नी देवरती और उसकी तीन बेटियों का रो–रोकर बुरा हाल है।

हिस्ट्रीशीटर ने मारी गोली, हालत गंभीर

बांदा, संवाददाता। घर में घुसकर हिस्ट्रीशीटर ने अधेड़ को गोली मार दी। आरोपी मौके से भाग निकला। उसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उसे कानपुर रेफर कर दिया गया। घटना तिंदवारी थाना क्षेत्र के तेरही माफी गांव की है। वहां रहने वाला सुरेंद्र मिश्रा (55) को बुधवार सुबह पड़ोसी के यहां तेरहवी संस्कार में हवन पूजन कराने को जाना था। उसी दौरान हिस्ट्रीशीटर उसके घर घुस आया शराब पीने के लिए रुपया मांग लिया। मना करने पर हिस्ट्रीशीटर ने तमंचे से गोली मार दी। सुरेंद्र मौके पर ही लहूलुहान होकर गिर गया। थानाध्यक्ष तिंदवारी राधाकृष्ण तिवारी ने बताया कि तहरीर मिलने के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की जाएगी। आरोपी हिस्ट्रीशीटर के खिलाफ कई मुकदमे पहले से दर्ज हैं।

झमाझम बारिश से दस डिग्री गिरा तापमान, उमस ने किया परेशान

सहारनपुर, संवाददाता। एक घंटे की झमाझम बारिश से तापमान दस डिग्री गिर गया। न्यूनतम और अधिकतम तापमान में केवल एक डिग्री का अंतर रहा। लेकिन बारिश रुकने के बाद हल्की धूप निकल आने से उमस की समस्या बन गई। जनपद में मंगलवार रात ही बादल छाए हुए थे। बुधवार दोपहर 11 बजे के बाद बादल घने होते चले गए और दोपहर एक बजे झमाझम बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक हुई बारिश से मौसम सुहावना हो गया। लोगों ने बारिश की खूब आनंद लिया और कई लोग भीगते हुए नजर आए। बारिश की वजह से तापमान में भारी गिरावट दर्ज की गई। जो न्यूनतम तापमान मंगलवार को 29 डिग्री था वह गिरकर 27 डिग्री पर आ गया। अधिकतम तापमान जो मंगलवार को 38 डिग्री था वह दस डिग्री गिरकर 28 डिग्री पर आ गया। बारिश 27 एमएम दर्ज की गई, लेकिन बारिश के बाद धूप निकल आने से उमस की समस्या बन गई। मौसम विभाग ने अगले पांच से दस दिन बारिश होने का अनुमान जताया है।

सिविल टर्मिनल में हुई बिजली आपूर्ति शुरू

सहारनपुर, संवाददाता। क्षेत्र में सिविल टर्मिनल के आरंभ होने की दिशा में बुधवार को एक कदम और बढ़ाया गया। विद्युत निगम के अधिकारियों ने सिविल टर्मिनल के अधिकारियों से मिलकर विद्युत आपूर्ति चालू होने का पत्र सौंपा। इसके साथ ही सिविल टर्मिनल में नियमित विद्युत आपूर्ति आरंभ हो गई।

पालिका प्रशासन ने लकड़ी व्यापारी को दिया नोटिस

बांदा, संवाददाता। अतर्रा नगर क्षेत्र में परिवहन निगम व वन विभाग की भूमि पर अरसे से लकड़ी का कारोबार हो रहा है। शिकायत पर नगर पालिका प्रशासन ने लकड़ी व्यापारी को नोटिस दी है और तीन दिन में जवाब मांगा है। वर्ष 1996 में तत्कालीन परिवहन मंत्री सुरेंद्रपाल वर्मा की पहल पर बांदा– प्रयागराज नेशनल हाइवे से 150 मीटर अंदर भागवत नगर मुहल्ले में जमीन अधिग्रहित करने के बाद बस स्टैंड का निर्माण हुआ था। बस स्टैंड के निर्माण में करीब 50 लाख रुपये खर्च हुए। तत्कालीन परिवहन मंत्री की ओर से शिलान्यास के बाद उद्घाटन न होने से स्टैंड में बसों का ठहराव नही हो रहा है। इस जमीन पर अब अवैध तरीके से पेड़ों की कटी लकड़ी के ढेर लगाए गए हैं। लकड़ी व्यापारी ने रोडवेज बस स्टैंड और वन विभाग की जमीन को लकड़ी व्यापार का अड्डा बना लिया है। मोहल्ले वासियो की शिकायत पर पालिका चेयरमैन संगीता वेद निराला व इओ अजय कुमार सिंह ने लकड़ी व्यापारी को सरकारी जमीन को खाली कर अन्यत्र व्यापार करने की चेतावनी दी थी, लेकिन लकड़ी व्यापारी ने दरकिनार कर दिया। पालिका इओ अजय कुमार सिंह ने लकड़ी व्यापारी बुद्धराज पटेल को नोटिस जारी की है। लकड़ी व्यापारी से तीन दिनों के अंदर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने को कहा है।

कारोबारी का होटल के कमरे में मिला शव

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में फजलगंज थाना क्षेत्र के एक होटल के कमरे में सबमर्सिबल कारोबारी का शव पड़ा मिला। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव को बाहर निकाला और परिजनों को सूचना देकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह स्पष्ट होगी। हालांकि फॉरेसिंक टीम को कमरे से शराब की एक खाली बोतल मिली है। वहीं, परिजन तीन दिन बाद उन्हें नशा मुक्ति केंद्र ले जाने वाले थे। आनंदपुरी निवासी कारोबारी का लाटूश रोड पर सबमर्सिबल की बड़ी दुकान है। उनके दोनों बेटे भी कारोबार को संभालते हैं। छोटे बेटे ने बताया कि 30 साल के बड़े भाई अपना फोन घर पर छोड़कर 23 जून की सुबह स्कूटी से कहीं चले गए। देर रात तक नहीं लौटे तो रिश्तेदारों और दोस्तों से संपर्क किया पर जानकारी नहीं मिली। बुधवार सुबह पुलिस ने भाई का शव सनी होटल में मिलने की जानकारी दी। फजलगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया कि शुरुआती जांच में पता चला है कि कारोबारी शराब का लती था। इसी वजह से पत्नी भी छोड़कर बेटी संग मायके चली गई है। नशेबाजी से तंग आकर पिता रविवार को उसे नशा मुक्ति केंद्र भेजने वाले थे। इस बीच वह घर से निकल गया था। पुलिस का मानना है कि अधिक शराब पीने से उनकी मौत हुई।

आखिरी बार 25 की सुबह दिखे थे

पुलिस के अनुसार कारोबारी ने 23 जून की सुबह 10:29 बजे होटल में चेकइन किया और कमरा नंबर 205 में रुके। आखिरी बार उन्हें 25 जून की सुबह 9 बजे देखा गया था। उस दिन वह कमरे से नीचे उतरकर रिसेप्शन पर आए और कुछ देर सोफे पर बैठे रहे। पानी पिया और फिर कमरे में चले गए। बुधवार सुबह सफाई कर्मी ने कमरे का दरवाजा खुलवाया तो कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। होटल मैनेजर की सूचना पर पहुंची फजलगंज पुलिस ने वीडियो रिकार्डिंग कर कमरे का दरवाजा खुलवाया तो बेड पर उल्टे पड़े मिले। उनके मुंह से तरल पदार्थ बह रहा था।

परिजनों ने पत्नी पर लगाया प्रताड़ना का आरोप

भाई के मुताबिक 2021 में मूलगंज निवासी युवती से प्रेम विवाह किया था। दोनों से एक बेटी भी है। वह दस माह से मायके में रह रही है। शादी के बाद से ही पत्नी अलग रहने का दबाव डालने लगी। साथ ही उसने 25 लाख रुपये व मकान नाम कराने की मांग की। न करने पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की धमकी देकर प्रताड़ित करती थी। परिवार के सभी सदस्यों पर दहेज की धारा में रिपोर्ट दर्ज करा दी। 23 जून की सुबह भी पत्नी ने जेल भिजवाने की धमकी दी थी, जिससे परेशान होकर घर से चला गया था।

दो दिन का किया था पेमेंट

थानाप्रभारी ने बताया कि कारोबारी ने होटल में कमरा लेते समय 2600 रुपये कैश पेमेंट किया था। बुधवार को उन्हें कमरा खाली करना था, लेकिन काफी देर तक उनका दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद होटल के सफाईकर्मी ने इसकी सूचना अपने मैनेजर को दी। मैनेजर ने भी आवाज दी लेकिन कोई हलचल न होने पर अनहोनी की आशंका पर पुलिस को सूचना दे दी। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की असल वजह स्पष्ट होगी। उसके बाद परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे कार्रवाई की जाएगी।

शादी के पांचवें दिन नकदी और जेवर लेकर भागी दुल्हन

मेरठ, संवाददाता। सरधना थाना क्षेत्र के छुर गांव में शादी के पांच दिन बाद ही जेवरात व नकदी लेकर दुल्हन भाग गई। मामले में पुलिस ने दुल्हन समेत चार आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस की एक टीम आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए गठित की गई है। छुर गांव निवासी मंगेराम पुत्र समय सिंह ने तहरीर में बताया था कि उसके बेटे कपिल की शादी बीते नौ जून को उतराखंड के विकास नगर निवासी नेहा के साथ हुई थी। लडकी वालों का शादी का खर्च भी उसने ही उठाया था। शादी के पांच दिन बाद ही नेहा पति के साथ सहेली की शादी में जाने को कहकर उतराखंड के लिए गई थी। लेकिन बीच रास्ते में वह पति के साथ सहारनपुर होटल में आराम करने के लिए रूकी। आरोप है कि रास्ते भर वह फोन पर अपने जीजा के साथ लगातार संपर्क कर रही थी। होटल में रूकने के बाद नेहा ने अपने जीजा मोहित व अनुज शर्मा व अन्य दो अज्ञात साथियों को बुला लिया। इसके बाद उसने कपिल को चुपचाप जाने को कहा। विरोध करने पर कपिल को जान से मारने की धमकी दे डाली। इसके बाद वह घर पहुंचा और परिजनों को घटना के बारे में अवगत कराया। परिजनों ने घर के सामान की जांच की तो आरोपी दुल्हन नकदी व जेवरात भी अपने साथ ले गई थी। जब उन्होंने शादी की बिचौलिया अन्नू से फोन पर बात की तो पूरे गिरोह का पर्दाफाश हो गया। जिसमें शादी कर लोगों को लूटने का काम किया जाता था। जिसके बाद मांगेराम ने आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने तहरीर के आधार पर आरोपी दुल्हन नेहा, मोहित, अनुज शर्मा व अन्नु के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक प्रताप सिंह का कहना है कि पुलिस की एक टीम गठित की गई है। जल्द आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

दुष्कर्म के आरोपी की मौत, पीटने के आरोपियों के घर हंगामा

शामली, संवाददाता। किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने व दुष्कर्म करने के आरोप में आरोपी ने मेरठ के अस्पताल में मंगलवार को दम तोड़ दिया। पांच दिन पहले ही दुष्कर्म के आरोपी को कुछ लोगों ने अपहरण कर पीटा था। मृतक युवक के गुस्साए परिजन शव को मेरठ से लेकर सीधे आरोपियों के घर पहुंचे और खूब हंगामा किया। पुलिस से भी परिजनों की खूब नोकझोंक हुई। बाद में कार्रवाई के आश्वासन पर ही शव का अंतिम संस्कार किया गया। दरअसल, लपराना गांव के सावन (22) पर एक किशोरी को बहला–फुसाकर ले जाने और दुष्कर्म का आरोप लगाया गया था। आरोपी जमानत पर छूट गया था। 20 जून को वह बनत के निकट शामली तहसील में गुंडा अधिनियम के मामले में तारीख पर गया था। आरोप है कि वहां से लौटते समय युवक का अपहरण कर लिया गया था और बंधक बनाकर पूरी रात पिटाई की थी। दूसरे दिन सुबह उसे घर के बाहर गंभीर हालत में फेंक दिया था। पुलिस ने घायल युवक को जिला अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से उसे मेरठ रेफर कर दिया था। युवक का मेरठ मेडिकल में उपचार चल रहा था। युवक पक्ष की तहरीर पर 11 के खिलाफ शामली कोतवाली में मुकदमा दर्ज किया गया था। मंगलवार की देर शाम करीब छह बजे सावन ने मेरठ के अस्पताल में उपचार के दौरान दम तोड़ दिया। गुस्साए परिजन सावन के शव को लेकर सीधे आरोपियों के घर के बाहर पहुंचे और शव को रखकर खूब हंगामा किया। उन्होंने कहा कि जब तक सभी 11 आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होगी, वह शव का अंतिम संस्कार नहीं करेंगे। साढ़े सात से लेकर रात नौ बजे तक परिजनों ने हंगामा किया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया मगर वह नहीं माने। पुलिस से भी नोकझोंक हुई। मामले में हत्या की धारा की बढ़ोत्तरी की भी मांग की गई। बाद में आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने के आश्वासन पर परिजन शांत हुए और गांव के श्मशान घाट पर ही शव का अंतिम संस्कार किया गया है। एसपी अभिषेक का कहना है कि युवक पर हमले के आरोपियों की तलाश में दबिश दी जा रही है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

जेठ ने बहू को मारकर की खुदकुशी

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में छोटे भाई की पत्नी की हत्या के बाद कुलदीप ने 6.20 मिनट का वीडियो बनाया। इसमें पत्नी, भाई और मां से कई बार माफी मांगते हुए कहा कि इस हत्या के बाद अब घर में शांति रहेगी। छोटे भाई से कहा कि मेरी मौत के बाद तुम अपनी भाभी से शादी कर लेना और तीनों बच्चों का अपने बच्चों की तरह प्यार करना। मां ने बहुत दुख झेले हैं, इसलिए उनको कभी दुख न देना। अशोक ने कहा कि वह छह माह से सो नहीं पा रहा था। क्लेश के चलते वह उस दिन को कोसता है जिस दिन अशोक की मीनू से शादी की। कहा कि वह तीन साल से बर्दाश्त कर रहा था। कहा कि दो दिन से मीनू की हत्या करने की सोच रहा था। ऐसा करने के लिए आज अंतिम दिन था क्योंकि आज सभी लोग घर आ जाते और फिर हत्या न कर पाता और जिंदगी भर कलह मची रहती। कहा कि मीनू की मौत के बाद अब बाकी सभी लोग सुकून से रहेंगे।

बहुत दुख है... आज टूट रहा है घर

मीनू की हत्या के बाद बनाए वीडियो में कुलदीप ने कहा कि पत्नी और बच्चों का जीवन बर्बाद न हो, इसलिए वह आत्महत्या कर रहा है। कहा कि मीनू के झूठ ने पूरा घर बर्बाद कर दिया। आज घर टूट रहा है जिसका बहुत दुख है। कहा कि पहले ही तय कर लिया था कि मीनू को मारने के बाद खुद भी मर जाएंगे।

घर बर्बाद करने में मीनू के मायकेवालों का हाथ

वीडियो में कुलदीप ने कहा कि मीनू सुधर जाती, लेकिन उसके घर वालों ने सुधरने नहीं दिया। मीनू के मां बाप और भाई घंटों फोन पर बात करके उसे भड़काते थे। मीनू का मंगलसूत्र कभी चोरी ही नहीं हुआ था। कहा कि मैंने खुद रेनू भाभी को मंगलसूत्र छिपाने की बात कहते सुना था।

मंगलसूत्र कभी चोरी नहीं हुआ था

साथ ही, अशोक की एक लाख रुपये की बीसी से नया मंगलसूत्र बनवाने की बात भी कहते सुना था। मंगलसूत्र कभी चोरी नहीं हुआ था। मैंने इसके भाई के हाथ–पैर जोड़े कि भइया बहुत बर्दाश्त कर लिया। तलाक करा दो। तुम भी खुश रह, हम भी खुश रहे और तुम्हारी बहन भी जिंदा रहेगी। लेकिन इसका भाई नहीं माना।

मम्मी माफ करना, हमने तुमको नहीं बताया

कुलदीप ने अपनी मां से माफी मांगते हुए कहा कि मम्मी हमने कभी तुमको और अशोक को नहीं बताया। कहा कि हम मर जाएंगे तो सबको सुकून मिल जाएगा और इंसाफ भी हो जाएगा। कहा कि गली में बहुत व्यवहार बनाया था लेकिन तीन साल इतनी छीछालेदर की इसने कि कोई जवाब नहीं।

मैंने ही बर्बाद की थी भाई की जिंदगी

कहा कि चूंकि मैंने ही इस औरत से शादी कराकर अपने भाई की जिंदगी बर्बाद की थी। कहा कि मेरा भाई रोज रात को रोता था और अगर भाई मेरा रो रहा है तो हम कैसे चौन से सो जाएंगे। हमने अपने भाई को बच्चे की तरह पाला है इसलिए उसको रोते हुए नहीं देख सकते।

अशोक अच्छा लड़का है, शादी कर लेना

कुलदीप ने पत्नी रोशनी से माफी मांगी। कहा कि अशोक बहुत अच्छा लड़का है। बस कभी कभी बहक जाता है। उससे शादी कर खुशी से जीवन बिताना। कहा कि यह थोड़ा मुश्किल होगा, लेकिन धीरे धीरे सब सही हो जाएगा। विनती के लहजे में कहा कि मम्मी का ख्याल रखना। मम्मी ने बहुत दुख झेले हैं। अशोक से कहा कि तीन बच्चों में कभी भेदभाव नहीं करना। वहीं अपने बाबा को लेकर भी बात कही।

ये है पूरा मामला

सेन पश्चिमपारा थाना क्षेत्र में बहू की गला घोंटकर हत्या करने के बाद जेठ ने भी फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस को घटनास्थल से नौ पन्नों का सुसाइड नोट भी बरामद हुआ है। इसमें लिखा था कि जब से आई है, दोनों भाइयों के परिवार में क्लेश रहता है। मां भी अक्सर घर से बाहर रहती है। न तो खाना बना पाती है और न ही व्यवहार सही है। नैन–नक्श भी नहीं अच्छे हैं। आरोपी की पत्नी बच्चों के साथ मायके गई थी, जबकि छोटा भाई वैष्णो देवी दर्शन करने गया था। बुधवार दोपहर जब वह घर लौटा, तो घटना का खुलासा हुआ।

रिपोर्ट दर्ज कराने के लिए चक्कर काटते रहे परिजन

शामली, संवाददाता। दुष्कर्म के आरोपी सावन का अपहरण करने के बाद मारपीट के मामले में पुलिस ने दो दिन तक परिजनों की शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की थी। मौत के बाद परिजनों ने पुलिस पर खूब आरोप लगाते हुए हंगामा कियाा। आरोप है कि दो दिन बाद 22 जून को मामले की 11 के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई। मृतक के भाई जॉनी ने बताया कि उसके भाई को झूठा फंसाया गया था। उसका कोई लेना देना नहीं था। अब उसका भाई मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण कर रहा था। जमानत पर आने के बाद 20 जून को कोर्ट से लौटते समय आरोपियों ने उसके भाई का अपहरण कर उसे खूब पीटा था, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया था। आरोप है कि पुलिस ने तहरीर देने के बावजूद मामला दर्ज नहीं किया। 22 जून को सीओ और अन्य अधिकारियों से शिकायत के बाद ही मामला दर्ज किया गया। आरोप है कि आरोपी घायल के मेरठ उपचार के दौरान भी आरोपी उन्हें धमकी दे रहे थे। फैसले का दबाव बनाया जा रहा था।

शादी की सालगिरह की पार्टी के बाद किसान ने दी जान

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में नरवल थानाक्षेत्र के रहने वाले एक किसान का शव बुधवार सुबह घर से आधा किलोमीटर दूर स्थित एक पीपल के पेड़ पर गमछे के सहारे लटकता मिला। मंगलवार को शादी की सालगिरह पर दोस्तों के साथ पार्टी करने के बाद वह कमरे में सोने चला गया था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस मामले की जांच कर रही है। नरवल गांव निवासी महाबल सिंह उर्फ सुशील सिंह (48) पेशे से किसान थे। चाचा सुखपाल सिंह ने बताया कि मंगलवार को महाबल और गुड्डी की शादी की सालगिरह थी। शाम को घर पर कुछ मेहमान और दोस्त आए हुए थे जिनके साथ सुशील ने देर रात तक पार्टी की।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।